दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

# क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -161 जबलपुर, सोमवार 20 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव


मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में गौंड वंश के वैभवशाली दुर्ग जगदीशपुर में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय

# यूसीसी ड्राफ्ट सहित कई बड़े फैसलों पर कैबिनेट में लगी मुहर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जगदीशपुर में गोंड कलाकारों ने पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाकर स्वागत किया।

## लिव-इन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, आदिवासियों को रखा बाहर

भोपाल -आरएनएस- मध्य प्रदेश कैबिनेट ने सर्वसम्मति से यूनिफॉर्म सिविल कोड (ष्ट्ष्ट) ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी है, जिसे 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसे समानता पर आधारित एक ऐतिहासिक कदम बताया, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक़ और विरासत जैसे मामलों में एक समान कानूनी ढांचा स्थापित करना है। यह यूनिफॉर्म सिविल कोड एक्ट, 2026 मौजूदा पर्सनल कानूनों की जगह लेगा।

मध्य प्रदेश कैबिनेट ने रविवार को सर्वसम्मति से यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी। इससे 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र के दौरान राज्य विधानसभा में इसे पेश करने का रास्ता साफ़ हो गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस फ़ैसले को एक अहम पड़ाव बताया और कहा कि प्रस्तावित कानून भारतीय संस्कृति और मूल्यों में निहित समानता के सिद्धांतों को दर्शाता है। %यूनिफॉर्म सिविल कोड एक्ट, 2026% नाम का यह ड्राफ्ट कानून अब चर्चा और विचार के लिए विधानसभा में पेश किया जाएगा। भारतीयनौसेना जानकारी कैबिनेट की बैठक के बाद फ़ैसले की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सभी मंत्रियों ने प्रस्तावित कानून का एकमत से समर्थन किया। यादव ने कहा कि आज मध्य प्रदेश कैबिनेट ने पूरे दिल से और सर्वसम्मति से यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड बिल, 2026 को मंजूरी दे दी है।

मैं अपने सभी कैबिनेट सहयोगियों और राज्य की जनता को बधाई देता हूँ। अब यह बिल 20 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में पेश किए जाने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार समानता को भारतीय सभ्यता का मूल सिद्धांत मानती है और प्रस्तावित कानून इसी सोच को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, राज्य सरकार सोमवार से शुरू हो रहे मॉनसून सत्र के दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा में बिल पेश करने जा रही है। बिल पेश होने के बाद, इस पर बहस होगी और कानून बनने से पहले आगे की विधायी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। प्रस्तावित कानून का मकसद नागरिक मामलों के लिए एक समान कानूनी ढांचा बनाना है, जो इस कोड के दायरे में आने वाले मामलों में अलग-अलग समुदायों के लिए मौजूदा अलग-अलग पर्सनल कानूनों की जगह लेगा।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्रीगण सहित ई-बस से पहुंचे जगदीशपुर

भोपाल -(आरएनएस)। डॉ. मोहन यादव आज मंत्री परिषद की बैठक के लिए ई-बस से जगदीशपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में ईंधन, शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग और सुशासन की भावना को साकार करते हुए मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ, सामूहिक रूप से मुख्यमंत्री निवास से इलेक्ट्रिक बस से प्रस्थान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुकरणीय पहल के लिए अपने शासकीय वाहन और सुरक्षा काफिला सीएम हाउस में ही छोडे। समस्त मंत्रीगण और उनका स्टाफ प्रात: 10 बजे मुख्यमंत्री निवास पहुंचे, जहां से तीन इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से सामूहिक रूप से सभी बैठक स्थल के लिए रवाना हुए। इस दौरान मंत्रियों के व्यक्तिगत वाहन, पायलट और फॉलो वाहन जैसी सुविधाएं मुख्यमंत्री निवास में ही रोक दी गई।

## संसद मार्च से पहले बड़ा मोड़, नेताओं का भरोसा मिला तो सोमवार को खत्म होगा सोनम वांगचुक का अनशन

नई दिल्ली. (आरएनएस)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले अपना अनशन समाप्त करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए उन्होंने एक स्पष्ट शर्त रखी है. उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने रविवार शाम कहा कि यदि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता सोनम वांगचुक से मुलाकात कर उन्हें यह आश्वासन दें कि 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में जवाबदेही और शिक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे, तो वह सोमवार, 20 जुलाई को अपना अनशन समाप्त कर सकते हैं. यह जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआई के हवाले से सामने आई है. सोनम वांगचुक इस समय अस्पताल में भर्ती हैं. इससे पहले वह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में जंतर-मंतर पर आमरण अनशन कर रहे थे. अनशन के दौरान उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो उनसे लगातार संपर्क में रही हैं और रविवार को उन्होंने उनकी ओर से यह संदेश सार्वजनिक किया. संसद के मानसून सत्र से पहले कई सांसद पहले ही जंतर-मंतर पहुंचकर सोनम वांगचुक से मुलाकात कर चुके हैं. इन नेताओं ने संसद में नीट-यूजी पेपर लीक और अन्य संबंधित मुद्दों को उठाने का भरोसा दिया है.

## खंडवा में अजगर ने बकरी के बच्चे को जिंदा निगला

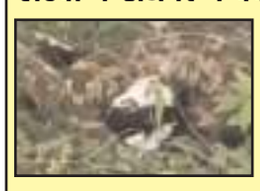

खंडवा। धनगांव थाना क्षेत्र के चिचगोहन गांव के समीप स्थित लाल तलाई क्षेत्र में एक विशाल अजगर द्वारा बकरी के बच्चे को निगलने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो किसी ग्रामीण ने अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों के अनुसार, लाल तलाई क्षेत्र में पिछले कई दिनों से विशाल अजगर की आवाजाही देखी जा रही थी। बताया जा रहा है कि वह पहले भी वन्यजीवों के साथ-साथ पालतू पशुओं का शिकार कर चुका है। शनिवार को अजगर ने एक बकरी के बच्चे को दबोच लिया और धीरे-धीरे उसे निगलना शुरू कर दिया।

मानसून सत्र के पहले दिन संसद में आएगा नया विधेयक

# अब वंदे मातरम् के अपमान पर मिलेगी 3 साल तक की सजा

नई दिल्ली।(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई से होने जा रही है। सत्र के पहले ही दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्यसभा में 2026 पेश करेंगे। इस प्रस्तावित विधेयक के जरिए राष्ट्रगीत %वंदे मातरम्% को भी वही कानूनी संरक्षण देने की तैयारी है, जो अभी राष्ट्रगान %जन गण मन% को प्राप्त है।

वंदे मातरम् के अपमान पर होगी सजा

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगीत %वंदे मातरम्% के गायन में बाधा डालता है या उसके गायन के दौरान सभा में अशांति फैलाता है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास, जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकेगा। सरकार का उद्देश्य राष्ट्रगीत के सम्मान को कानूनी संरक्षण देना है।

## जम्मू-कश्मीर के राजौरी में फटा बादल, देखते ही देखते बह गया पूरा कब्रिस्तान, कटड़ा में बारिश के चलते 15,000 श्रद्धालु फंसे

राजौरी। (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी और आसपास के इलाकों में बीती रात से कुदरत का भारी कहर टूटा है। रात 1 बजे से सुबह 6 बजे तक हुई मूसलाधार बारिश ने अचानक बाढ़ ला दी, जिससे व्यापक तबाही मची है। दरहाली और राजौरी नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी बेला कॉलोनी और बस स्टैंड में घुस गया। तेज बहाव के कारण बस स्टैंड पर खड़ी कई गाड़ियां तिनके की तरह बह गईं और बेला इलाके में कई परिवार और मवेशी बाढ़ के बीच फंस गए। थन्ना मंडी के चुरुंग, राजधानी और बेहरोट इलाके भी बाढ़ की चपेट में हैं। बेहरोट में एक क्रशर यूनिट के मजदूरों के फंसे होने की खबर है। सबसे दिल दहला देने वाली घटना मंजाकोट तहसील के कोटली कलाबन में घटी, जहां बादल फटने से एक पूरा कब्रिस्तान ही बह गया, जिससे स्थानीय लोग गहरे सदमे में हैं।

तिनके की तरह बह गईं 250 कारें

राजौरी के बेला बस स्टैंड इलाके में तड़के करीब तीन बजे कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया कि पूरे इलाके का नामोनिशान ही मिट गया. जलस्तर अचानक बढने से बस स्टैंड का निचला हिस्सा पूरी तरह जलमग्न हो गया और वहां खड़ी 200 से 250 कारें पानी के तेज बहाव में बह गईं. सोशल मीडिया पर इस खौफनाक तबाही के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें गाडियां पानी में तैरती और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त नजर आ रही हैं. पानी का वेग इतना ज्यादा था कि इलाके के दो मकान पूरी तरह से ढह गए और एक महिला के पानी में बहने से लापता होने की भी खबर है. स्थानीय लोगों का मानना है कि यह खौफनाक सैलाब बादल फटने जैसी घटना के कारण आया है.

घरों और दुकानों में घुसा सैलाब, जिंदगी भर की कमाई बर्बाद बाढ़ का पानी शहर के कई रिहायशी इलाकों और मुख्य बाजारों में घुसने से लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है. लोगों के घरों में रखा कीमती सामान और दुकानों में रखा माल पानी में डूबकर पूरी तरह खराब हो गया है. सड़कों पर नालियों का पानी उफान मारने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों का घर से निकलना भी दुश्वार हो गया है. अपनी आंखों के सामने घरों को उजड़ते देख चुके प्रभावित लोगों का कहना है कि उनकी जिंदगी भर की पूंजी इस बाढ़ में बह गई है और अब उनके पास कुछ नहीं बचा है. स्थानीय दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों से पानी और कीचड़ निकालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है. लोगों ने प्रशासन से जल निकासी की व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने की गुहार लगाई है.

## एक घंटे में दूंगा इस्तीफा अगर...,अभिषेक बनजी ने टीएमसी बागी नेताओं को दी सीधी चुनौती

नई दिल्ली-(आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के उन बागी नेताओं को चुनौती दी है जिन्होंने उन पर संगठन को कमज़ोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अगर वे ममता बनर्जी के नेतृत्व में वापस आ जाएं, तो वे इस्तीफ़ा देने को तैयार हैं। पार्टी के भीतर चल रही बगावत पर बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि जो लोग ज़ख्म छोड़कर चले गए थे और अब उन पर आरोप लगा रहे हैं, उन्हें ममता बनर्जी के पास वापस आ जाना चाहिए।

## ग्वालियर में हादसा, 15 फीट ऊंची दीवार गिरने से दबे कई लोग, दो महिलाओं की मौत, 2 गंभीर घायल

ग्वालियर.(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रविवार 19 जुलाई की सुबह एक बड़ा हादसा हुआ, जब चिरवाई नाका पर पहाड़ी किनारे बनी 15 फीट ऊंची दीवार अचानक गिर गई. दीवार के नीचे ठेला लगाने वाले और वहां खड़े कुछ लोग दब गए. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई. बचाव दल ने अब तक एक महिला समेत तीन लोगों को मलबे से बाहर निकाला है. सभी गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है. वहीं, दो महिलाओं के दबने से मौत की सूचना मिल रही है. मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है, और मलबे में अन्य लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है. पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहे हैं.

इंदौर में मंच से बोले मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

# 70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं...

इंदौर।(आरएनएस)। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अपने बेबाक अंदाज से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने मंच से कहा, मैं जो भी करता हूं, मुंह पर करता हूं, पीठ पीछे नहीं। जो गलत है, वो गलत है और जो सही है, वो सही। 70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं... किसी को बुरा लगे तो लगे, अपने को क्या फर्क पड़ता है।

विधानसभा-1 स्थित पीएम राइस स्कूल अहिल्या आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विजयवर्गीय ने छात्राओं को सामाजिक बुराइयों से बचने और जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी से भी दोस्ती सोच-समझकर करें और किसी की वास्तविक पहचान जाने बिना उस पर भरोसा न करें। मंत्री ने नशामुक्ति को लेकर भी छात्राओं से भावुक अपील की। उन्होंने कहा कि यदि उनका भाई नशा करता है तो रक्षाबंधन पर तब तक राखी न बांधें, जब तक वह नशा छोड़ने का संकल्प न ले। उन्होंने सुझाव दिया कि परिवार के लोग नशे के खिलाफ एकजुट होकर प्रतीकात्मक विरोध भी कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने स्कूल को फर्नीचर और वाटर कूलर भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा और स्वस्थ वातावरण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। मंत्री के 70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं वाले बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।

## टीकमगढ़ एसपी हटाए गए - सीएम का काफिला रुकवाने और प्रोटोकॉल उल्लंघन पर राज्य सरकार का एक्शन

टीकमगढ़.(आरएनएस)। बीते शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आधिकारिक दौरे के दौरान वीवीआईपी सुरक्षा में हुई गंभीर चूक के मामले में टीकमगढ़ के पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई को उनके पद से हटा दिया गया है. मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है. यह कार्रवाई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एसपी ने नियमों को ताक पर रखकर मुख्यमंत्री के काफिले को बीच रास्ते में रुकवा दिया था. बीते शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम के बाद जब मुख्यमंत्री का काफिला पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड की ओर जा रहा था, तब निर्धारित प्रोटोकाल के उल्लंघन का आरोप है. एसपी मंडलोई पर नए पुलिस कंट्रोल रूम का लोकार्पण कराने की जिद में काफिले को रुकवाने का आरोप है, जिसके दौरान स्कूली बच्चों को सुरक्षा घेरे के सामने खड़ा किया गया था. इसे वीवीआईपी सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन माना गया. अब गृह विभाग ने श्री मंडलोई को टीकमगढ़ से हटाकर सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल भेजा है.

जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )। थाना विजयनगर में नारान गौड़ उम्र 75 वर्ष निवासी चंडालभाटा अघोरीबाबा मंदिर के पास दमोहनाका ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सेंटिंग ठोकने का ठेका लेता है उसका काम सनातन चौक के आगे मुस्कान सिटी के सामने एक घर में सेंटिंग का ठेका लिया था जिसका पूरा काम करके उसके साथ काम कर रहे बेटा टीकाराम गौंड़, बबलू अहिरवार और रहीश खान सभी पैदल घर वापस आ रहे थे वह टॉयलेट करने के लिये रूक गया, बबलू, टीकाराम और रहीश उसके आगे आगे चल रहे थे

**मध्यप्रदेश शासन और मुख्यमंत्री की पहल पर महापौर ने जबलपुर नगर निगम के 218 अधिकारियों कर्मचारियों को पदोन्नत का दिया लाभ, 218 में से 125 की पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण, शेष पर तेजगति से जारी है कार्यवाही**

# अर्बन चैलेंज फंड में मिले 314 करोड़, शहर के नागरिकों को मिलेगी बड़ी सौगात, जलप्रदाय और सीवरेज परियोजनाएँ होंगी सुदृढ़ - महापौर

**फीडर नेटवर्क, डिस्ट्रीब्यूशन, स्काडा सिस्टम आदि व्यवस्थाएँ होंगी मजबूत, बजरंग नगर, मोतीनाला, बड़ापत्थर, वेटनरी ग्राउंण्ड, बघा तालाब के पास टंकियों का कराया जायेगा निर्माण**

**मेयर इन कांउसिल की बैठक में पदोन्नति संबंधी सभी प्रस्तावों पर मिली मंजूरी**

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश शासन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की मंशा के अनुरूप और महापौर श्री अन्नू के विशेष प्रयासों से जबलपुर नगर निगम में विकास और जन-कल्याण की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। महापौर श्री अन्नू की इस पहल से जहां एक तरफ सालों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे नगर निगम कर्मियों के चेहरे खिल उठे हैं, वहीं दूसरी तरफ शहरवासियों को पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं की एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री की पहल पर महापौर ने निगम के 218 अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया है, जिसमें से 125 कर्मचारियों की पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, शेष बचे कर्मचारियों के प्रमोशन की कागजी कार्यवाही भी बेहद तेज गति से जारी है। मेयर इन काउंसिल की बैठक में पदोन्नति संबंधी सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई है। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे दोगुनी ऊर्जा से जनता की सेवा कर सकेंगे।

शहर के विकास के लिए मंत्रालय स्तर से एक और बड़ी खुशखबरी मिली है। अर्बन चैलेंज फंड के तहत जबलपुर की जलप्रदाय और सीवरेज परियोजनाओं को सुदृढ़ करने के लिए मंत्रालय से सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है। इस फंड से फीडर नेटवर्क, डिस्ट्रीब्यूशन लाइन और आधुनिक स्काडा सिस्टम जैसी व्यवस्थाओं को अपग्रेड किया जाएगा, जिससे पानी की बर्बादी रुकेगी और हर घर तक सुचारू रूप से पानी पहुंचेगा। सीवरेज सिस्टम दुरुस्त होने से शहर की आबोहवा और पर्यावरण में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। शहरी क्षेत्र में पेयजल संकट को हमेशा के लिए समाप्त करने के लिए महापौर ने 5 नई उच्चस्तरीय टंकियां शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण कराने का फैसला लिया है। अर्बन चैजेन्ज फंड में मिले 314 करोड़ की राशि से नई जलप्रदाय योजना का दायरा केवल मुख्य शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहरी सीमा में शामिल किए गए 55 गांवों के नागरिकों को भी शुद्ध पेयजल की सौगात मिलेगी। जल प्रदाय योजना के लिए 64.18 करोड़ रूपये तथा सीवरेज योजना के लिए 250 करोड़ रूपए की परियोजनाएँ प्रस्तावित है। इस प्रकार जबलपुर में कुल 314.18 करोड़ रूपये की परियोजनाओं के माध्यम से शहरी जल एवं सीवरेज अद्योसंरचना को नई मजबूती मिलेगी। जबलपुर की जल प्रदाय परियोजना के अंतर्गत वर्तमान और आगामी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शहर के ऐसे क्षेत्रों को जल प्रदाय नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जहाँ अभी तक पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2040 की अनुमानित आवश्यकता के अनुसार शहर में 31.75 कि.मी. की नई वितरण पाइप लाइन, 5 नए ओवरहेड सर्विस रिजर्वायर तथा 2.51 कि.मी. फीडर नेटवर्क विकसित किया जाएगा। परियोजना के माध्यम से लगभग 1 लाख 13 हजार 9 सौ 26 नए घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किये जाने का प्रस्ताव है। इसके बाद जल प्रदाय व्यवस्था लगभग 2.90 लाख घरेलू कनेक्शनों तक विस्तारित हो जायेगा। परियोजना में 4969 स्मार्ट मीटरों की स्थापना के साथ 5 ओवरहेड टैंकों के लिए पीएलसी, एससीएडी प्रणाली विकसित की जायेगी। इससे जल प्रदाय व्यवस्था की रियल टाइम मॉनिटरिंग और बेहतर संचालन संभव हो सकेगा।

बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, विवेकराम सोनकर, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, अशफाक परवेज कुरैसी, देवेन्द्र सिंह चैहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव सहित सभी विभागीय प्रमुख एवं मेयर इन काउंसिल के सचिव दिनेश प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

# सरस्वती कॉलोनी दुर्गा हनुमान मंदिर में पांचवे दिवस राम कथा सानंद संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। श्री दुर्गा हनुमान मंदिर सरस्वती कालोनी में गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर चल रही श्री राम कथा के पंचम दिवस पर कथा व्यास पूज्या किशोरी साक्षी दीदी ने बताया कि भगवान राम तीनों भाइयों सहित धरा धाम पर अवतरित हुए तो उन्होंने वो बाल लीलाएं की जिनके द्वारा संस्कारों को अपने जीवन में उतार कर जीवन को आनंदमय बना सकें।अंग्रेजी शिक्षा हो या घर का वातावरण उसमें संस्कारों को बहुत पीछे छोड़ दिया है क्योंकि माता पिता को देख कर संतान उनका अनुसरण करते हैं। एसी महत्वपूर्ण बाते संस्कारों की बताई ।

कल षष्ठम दिवस की कथा में भगवान के मंगल विवाह की कथा को श्रवण पान कराया जाएगा, इस अवसर पर कथा के यजमान मन्दिर समिति के अध्यक्ष देवेंद्र-सरिता नेमा सहित एवं समिति की शकुन ठाकुर,प्रभा शर्मा,नानीबाई विश्वकर्मा ,शकुंतला पटेल,उर्मिला अग्रवाल,तुलसा खरे,सावित्री शुक्ला,प्रति गुप्ता,रघुराज सिंह ठाकुर,राजेंद्र गुप्ता,अमरसिंह ठाकुर,संदीप नेमा,अनिल सुहाने,मोहित तिवारी,विशाल पंड्या,पं.दुबे आदि भक्तजन मातृ शक्ति उपस्थित रहे।

**गतवर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक राजस्व**

# तीन माह में टिकट चैकिंग से 44 करोड़ 20 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 5 लाख 59 हजार मामलें पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 44 करोड़ 20 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

यह राशि पिछले वर्ष इसी अवधि में वसूले गए 40 करोड़ 71 लाख रुपये के जुर्माने की तुलना में 8.57 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में मुख्यालय एवं मंडलों पर परफॉरमेंस इस प्रकार रहा :- मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड- मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जाँच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के 10 हजार मामलों से 63 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। जबलपुर मंडल- टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 2 लाख 54 हजार मामलों से 21 करोड़ 78 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। भोपाल मंडल- टिकट जांच के दौरान 1 लाख 88 हजार मामलों से 13 करोड़ 75 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। कोटा मंडल- टिकट निरीक्षकों ने अभियान के दौरान 1 लाख 7 हजार मामलों से 8 करोड़ 4 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा न करें। यात्रा से पूर्व उचित टिकट अवश्य लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समन्वय से पश्चिम मध्य रेल द्वारा ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

## स्कूल-कॉलेजों के बाहर शोहदों-मनचलों की मनमानियों पर आयोग गंभीर

जबलपुर - शहर के कई स्कूल-कॉलेजों में असामाजिक तत्वों/मनचलों द्वारा छात्राओं को परेशान किये जाने का मामला सामने आया है। स्कूल एवं कॉलेजों की छुट्टी होने के समय असामाजिक तत?व छात्राओं को परेशान करते है, उन्हें फब्तियां कसते है और उनके मोबाइल नंबर की मांग करते है, साथ ही उनकी जबरन तस्वीरें भी खींचते है, इस कारण छात्राएं असहज हो जाती है और उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते चलते शोहदो से परेशान होकर तो कई छात्राओं ने स्कूल जाना ही छोड़ दिया हैं, उनके अभिभावक जब इसका विरोध करते है तो आसमाजिक तत्व जान के दुश्मन बन जाते है मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल मे प्रकरण पर सुनवाई करते हुये आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

## सशक्त हस्ताक्षर की स्वर्णिम 50वीं काव्य गोष्ठी में गूँजी साहित्य की स्वरधारा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। साहित्यिक संस्था %सशक्त हस्ताक्षर% की स्वर्णिम 50वीं काव्य गोष्ठी चंचलबाई महाविद्यालय में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अलकेश चतुर्वेदी थे, जबकि अध्यक्षता आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। संस्था के संस्थापक गणेश श्रीवास्तव प्यासा ने कहा की सशक्त लेखन से समाज को दिशा मिलती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुरेन्द्रलाल साहू %निर्विकार%, डॉ. अरुणा पाण्डे, मंगल भाव, संगम त्रिपाठी थे। अतिथियों ने अपने वक्तव्य में साहित्य की निरंतर साधना, भाषा की समृद्धि तथा काव्य गोष्ठियों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए संस्था के इस सराहनीय प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। अतिथि स्वागत अरुण शुक्ल, अमरनाथ सोनी, महेश स्थापक, दिवाकर शर्मा एवं प्रीति शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुराधा गर्ग %दीप्ति% द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। काव्य गोष्ठी में कालिदास ताम्रकार %काली%, सुवीर श्रीवास्तव %वीर%, शिवानी भगत, प्रकाश सिंह ठाकुर, कुंजीलाल चक्रवर्ती %निर्झर%, उर्मिला श्रीवास्तव, विवेक कुमार गुप्ता %सहर%, आशा मालवीय, अखिलेश खरे %अखिल%, प्रेम पालीवाल, दीनदयाल तिवारी %बेताल%, जयप्रकाश श्रीवास्तव, कौशिक सेनगुप्ता, प्रभा विश्वकर्मा %शील%, लखन रजक, व %कमर इलाहाबादी%, सुशील श्रीवास्तव, मदन श्रीवास्तव,ज्योति मिश्रा, प्रीति नामदेव %भूमिजा%, विजय विश्वकर्मा, पं. निरंजन द्विवेदी %वत्स%, डॉ. मुकुल तिवारी, अमर सिंह वर्मा, वंदना सोनी %विनम्र%, संध्या द्विवेदी, एम.एल. शर्मा %नयन% ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का प्रभावशाली पाठ कर श्रोताओं की भरपूर सराहना अर्जित की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन गणेश श्रीवास्तव %प्यासा% ने किया, जबकि तरुणा खरे %तनु% ने आभार प्रदर्शन कर गोष्ठी का समापन किया।

## रादुविवि कर्मचारी संघ ने स्थिति स्पस्ट करते हुये रखी मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ सदैव कर्मचारियों की ज्वलंत एवं न्यायोचित मांगों की पूर्ति के लिए प्रतिबद्ध रहा है। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय यादव तथा महासचिव अंकित श्रीवास ने बताया कि विगत लगभग ढाई वर्षों से विश्वविद्यालय में घटनाक्रम ऐसे रहे हैं, जिन्होंने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए हैं।

विगत ढाई वर्षों में कर्मचारियों के हित में कोई ठोस एवं सकारात्मक निर्णय सामने नहीं आया है। इसके विपरीत, लगभग 27 वर्षों से प्रचलित श्रम साध्य भत्ते को समाप्त कर दिया गया। वर्ष 1997 में सृजित 70 पदों की बहाली, वर्ष 2008 में नियमित कर्मचारियों को समयमान वेतनमान की अंतर राशि का भुगतान, तकनीकी कर्मचारियों के समयमान वेतनमान के प्रकरण, अनुकम्पा नियुक्तियां तथा न्यायालयीन प्रकरणों में लगातार प्रतिकूल निर्णय—ये सभी प्रशासनिक उदासीनता और निर्णयहीनता के उदाहरण हैं। कर्मचारी संघ ने यह मांग की है कि कर्मचारियों की समस्त समस्याओं का त्वरित एवं न्यायसंगत निराकरण किया जाए। पदोन्नति में हो रहे विलंब के कारण अनेक कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उन्हें पदोन्नति का लाभ पूर्व प्रभाव (बैक डेट) से प्रदान किया जाये।

# खितौला पहुंचीं आर्यिका माँ सूत्रमति माताजी, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सिहोरा । आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य समय सागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका माताजी ससंघ चातुर्मास हेतु ब्यौहारी से विहार करते हुए खितौला पधारीं। उनके आगमन से संपूर्ण खितौला क्षेत्र धर्म, भक्ति से सराबोर हो उठा। जैन समाज सहित नगर वासियों ने उनका स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के बीच निकली भव्य स्वागत यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन, महिलाएं, युवा एवं बच्चे शामिल हुए।

चातुर्मास के दौरान आर्यिका माताजी के सान्निध्य में प्रतिदिन धर्मसभा, प्रवचन, स्वाध्याय, तप, साधना, जिनपूजन एवं विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खितौला सिहोरा में आज उत्सव का माहौल रहा, यहां पर आचार्य समयसागर महाराज की शिष्या आर्यिका सूत्रमति माताजी ससंघ चातुर्मास के लिए ब्यौहारी से खितौला पहुंचीं. नगर प्रवेश पर सकल जैन समाज और श्रद्धालुओं ने धर्मध्वज, मंगल गीत और जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया. पूरे नगर में धार्मिक और भक्तिमय माहौल देखने को मिला.

आर्यिका सूत्रमति माताजी ससंघ का मनसकरा से स्वागत करते हुए शोभायात्रा के रूप में खितौला जैन मंदिर तक लाया गया. मंदिर पहुंचने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया. चातुर्मास के दौरान आर्यिका सूत्रमति माताजी के सान्निध्य में नियमित धर्मसभा, प्रवचन, स्वाध्याय, तप, साधना और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. समाजजनों ने इसे क्षेत्र के लिए सौभाग्य बताते हुए अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से धर्मलाभ लेने की अपील की.

## शपथ ग्रहण संपन्न,करणी सेना परिवार का नवनियुक्ति पदाधिकारी का स्वागत सम्मान किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।,करणी सेना परिवार का आज नवनियुक्ति पदाधिकारी का स्वागत सम्मान किया गया संगठन को नई दिशा एवं संगठन को मजबूत करने के लिए आज रूपरेखा बनाई गई जिसमें अतिथि के रूप में नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री किरण तोमर शामिल हुई संभाग अध्यक्ष विंध्या दुर्गेश ठाकुर जिला अध्यक्ष दिव्या चौहान रत्ना राजपूत स्मिता बेस, श्रुति सिंह , सुशीला सिंह, रागिनी ठाकुर, रजनी सिंह, नेहा राजपूत, सविता सिंह, रीता सिंह, कंचन सिंह, जूही सिंह, आशा ठाकुर, प्रांजलि सिंह, बिना सिंह, मंजू लता सिंह, देविका सिंह, सुमन रानी सिंह, चंदा सिंह, खुशबू सिंहआदि उपस्थित थे

इंदौर। मैं जो कुछ करता हूं मुंह पर करता हूं, पीठ पीछे नहीं करता। सामने बोलूंगा सही तो सही और गलत तो गलत। प्रदेश के काबिना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को मंच से यह बात कही। वे अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का भूमिपूजन कर रहे थे। विजयवर्गीय यही नहीं रुके, उन्होंने आगे यह भी कहा कि 70 साल का हो गया हूं, यूं ही सठिया गया हूं। मंत्री ने जब माइक थामकर यह बात कही, उस दौरान उनके साथ इंदौर के सांसद, महापौर, विधायक समेत तमाम नेता बैठे थे। नगरीय प्रशासन मंत्री विजयवर्गीय ने क्षेत्र 1 के वार्ड 6 में 10 करोड़ के 26 विकास कार्यों का भूमिपूजन व कुछ पूरे हो चुके कार्यों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि जब मैं महापौर था, उस समय से इंदौर शहर का विकास शुरू हुआ था।

**मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में जारी की 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि-प्रधानमंत्री फसल बीमा के अंतर्गत खरीफ-2025 की दावा राशि सिंगल क्लिक से अंतरित**

# राज्य सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जगदीशपुर में मंत्री परिषद की बैठक के तुरंत बाद किसानों को यह राशि जारी की।

किसान भाई निर्धारित तिथि से पहले फसलों का बीमा करायें

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

किसानों को 2016 से 2025 तक 30 हजार 942 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपए का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

**कृषि महोत्सव झाबुआ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑनलाइन किसानों से की चर्चा**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को झाबुआ में बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत ऑनलाइन किसानों से चर्चा की। उन्होने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उल्लेखनीय है कि कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत प्रदेश में बलराम कृषि महोत्सव-2026 मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर से इसकी शुरूआत की। अगला बलराम कृषि महोत्सव 21 जुलाई को आलीराजपुर में, 23 जुलाई को बड़वानी, 25 जुलाई को खरगौन में, 27 जुलाई को बुरहानपुर में और 30 जुलाई को खण्डवा में आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में उन्होंने प्रशासन को पूरी तैयारी के साथ किसानों की सहायता के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि किसानों को तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपये में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं तथा डेयरी विकास के लिए 40 लाख रुपये तक की योजना में 33 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सलाह, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण के सिद्धांतों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाएं। केंद्र और राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा तथा कृषि विकास के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्राकृतिक खेती के विजन को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया है। जिले में वर्तमान में लगभग 3,125 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है तथा किसानों की प्राकृतिक खेती का प्रमाणीकरण भी कराया गया है।

उन्होंने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद योजना के माध्यम से कड़कनाथ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2025 में जिले में कड़कनाथ पालन से एक हजार से अधिक नए हितग्राही जोड़े गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन किसानों की नियमित आय का मजबूत आधार बन सकता है। पशुपालन विभाग की हितग्राहीमूलक योजनाओं के माध्यम से डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि जिले में 760 से अधिक तालाबों का विकास किया गया है, जिनमें लगभग तीन हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगदी फसल के रूप में कपास उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। खरीफ-2026 में अब तक जिले में 23 हजार 230 हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की बोवनी हो चुकी है, जो पिछले वर्ष के 19 हजार 888 हेक्टेयर की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि धार जिले के बदनावर स्थित पीएम मित्रा पार्क से झाबुआ के कपास उत्पादक किसानों को खेत से कारखाने तक की सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों की आय, रोजगार एवं औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

झाबुआ का टमाटर बना प्रदेश की पहचान

मुख्यमंत्री ने पेटलावद में स्थापित टमाटर प्रसंस्करण इकाई का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में 2,812 हेक्टेयर क्षेत्र में टमाटर की खेती की जा रही है तथा लगभग 1.68 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हो रहा है। यहां टमाटर उत्पादक किसानों का क्लस्टर विकसित किया गया है तथा टमाटर सॉस और केचअप का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा 12 सोलर ड्रायर यूनिट स्थापित कर टमाटर का डिहाइड्रेशन भी किया जा रहा है।

**शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का किया लोकार्पण और बाउंड्रीवॉल एवं दो मुख्य प्रवेश द्वारों का किया भूमिपूजन**

# श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का उपक्रम हैं शिक्षा के मंदिर- उच्च शिक्षा मंत्री परमार

भोपाल -(आरएनएस) उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को आधुनिक अधोसंरचना, अनुसंधान संसाधनों और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाओं से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा के मंदिर श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सशक्त उपक्रम हैं। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन के साथ चरित्र, संस्कार, कर्तव्यबोध, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नागरिकों का निर्माण करना है। विकसित भारत@2047 का संकल्प तभी साकार होगा, जब हमारी युवा शक्ति, भारतीय दृष्टि पर आधारित ज्ञान, कौशल, अनुसंधान, नवाचार एवं जीवन मूल्यों के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएगी।

मंत्री श्री परमार शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग की विश्व बैंक परियोजना अंतर्गत लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्राणीशास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति विज्ञान एवं भौतिकी की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं के लोकार्पण तथा लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली महाविद्यालय की बाउंड्रीवॉल एवं दो मुख्य प्रवेश द्वारों के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि वर्ष 2047 का भारत एक विकसित राष्ट्र होने के साथ अपने पूर्वजों के ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान की विरासत के आधार पर विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला तथा संपूर्ण विश्व के भरण-पोषण में अग्रणी भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बनेगा। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा सदैव मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती रही है और भविष्य में भी विश्व को दिशा देने का सामर्थ्य रखती है। श्री परमार ने कहा कि प्रत्येक भारतीय के मन में अपने गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और विरासत के प्रति स्वाभिमान का भाव जागृत होना चाहिए। भारत ने गणित, अभियांत्रिकी, खगोल विज्ञान, आयुर्विज्ञान, कृषि, दर्शन एवं विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में विश्व को अमूल्य ज्ञान प्रदान किया है। आचार्य चाणक्य और सम्राट चंद्रगुप्त का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने ऐसे राष्ट्र निर्माताओं का निर्माण किया, जिन्होंने विश्व इतिहास की दिशा बदल दी। आज की आवश्यकता है कि नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करते हुए आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक के साथ आगे बढ़े। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत की आत्मा, संस्कृति और आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की गई ऐतिहासिक शिक्षा नीति है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसी शिक्षा व्यवस्था के बल पर भारत पुन: विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित होगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में गुणवत्ता आधारित शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उच्च शिक्षा में प्रथम वर्ष के प्रथम अध्याय में भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश किया गया है।

# मंत्री विश्वास सारंग ने 24.78 करोड़ रुपये के 10 विकास कार्यों की दी सौगात

भोपाल -(आरएनएस) सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 एवं 38 में 24 करोड़ 78 लाख रुपये की लागत से होने वाले 10 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा कैलाश सारंग पार्क स्थित ओपन जिम का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नरेला विधानसभा के प्रत्येक वार्ड में बिना किसी भेदभाव के आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। कार्यक्रम में वार्ड 37 एवं 38 में अमृत परियोजना के अंतर्गत सीवेज नेटवर्क विस्तार, पेयजल पाइपलाइन, सड़क, नाली, पार्क विकास तथा सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें वार्ड 37 के लिए 8 करोड़ 4 लाख रुपये तथा वार्ड 38 के लिए 16 करोड़ 74 लाख रुपये के विकास कार्य शामिल हैं।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आधुनिक एवं व्यवस्थित सीवेज व्यवस्था किसी भी शहर के सुनियोजित विकास का आधार होती है। अमृत परियोजना के माध्यम से नरेला विधानसभा में व्यापक स्तर पर सीवेज नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है, जिससे हजारों परिवारों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर शहरी सुविधाएं मिलेंगी। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जलभराव, गंदे पानी की निकासी तथा स्वच्छता संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। वार्ड क्रमांक 37 में 8 करोड़ 4 लाख रुपये की लागत से अमृत परियोजना अंतर्गत सीवेज लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा, जिससे पुरुषोत्तम नगर, दुर्गा नगर, बापू कॉलोनी, विजय नगर, राजवीर कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा पुरुषोत्तम नगर एवं विजय नगर में जलप्रदाय पाइपलाइन विस्तार का भी भूमिपूजन किया गया। वार्ड क्रमांक 38 में 16 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से अनेक विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इनमें अमृत परियोजना के अंतर्गत साईंराम कॉलोनी, सेमरा, शंकर नगर, स्वदेश नगर, एकतापुरी एवं पंत नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में सीवेज लाइन बिछाने का कार्य शामिल है। इसके साथ ही जलप्रदाय पाइपलाइन विस्तार, अशोका गार्डन थाने से एकतापुरी सेमरा सब्जी मंडी तक 6 करोड़ रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण, सेमरा स्थित हनुमान मंदिर के पास नाली निर्माण, कैलाश सारंग पार्क के सामने पेविंग ब्लॉक कार्य, पार्क में बाउंड्रीवाल एवं सांस्कृतिक मंच निर्माण, साईंराम कॉलोनी एवं शंकर नगर में नाली निर्माण तथा सेमरा सब्जी मंडी चौराहे पर 20 लाख रुपये की लागत से सुलभ शौचालय निर्माण जैसे कार्य भी शामिल हैं।

**1970 का पीएम भवन ढहा, अब अस्पताल में हो रहा पोस्टमार्टम, मरीज जीते-जी सह रहे मौत का मंजर**

# मुर्दाघर के लिए मुर्दा पड़ा सिस्टम, यहां इलाज कराने आएं या मौत का तमाशा देखें

**10 लाख स्वीकृत, फिर भी फाइलें दौड़ रहीं, नहीं लग रहा नवीन भवन का निर्माण कार्य**

**गोटेगांव प्रतिनिधि**- न्याय की आखिरी सीढ़ी कहे जाने वाला पोस्टमार्टम आज खुद मौत के मुहाने पर खड़ा है संदिग्ध मौत और दुर्घटनाओं की गुत्थी सुलझाने वाला ये वैज्ञानिक साक्ष्य आज गोटेगांव में लाचार हो चुका है जब किसी व्यक्ति की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में या दुर्घटना में होती है, तो सच्चाई तक पहुंचने के लिए पोस्टमार्टम ही एकमात्र सहारा बनता है। यही प्रक्रिया पुलिस को जांच में मदद देती है और पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने का आधार बनती है। इसी महत्व को समझते हुए शासन हर तहसील-जिला में पीएम भवन बनवाता है। इसी कड़ी में 1970 में गोटेगांव में शांति धाम के पास पीएम भवन का निर्माण कराया गया था। लेकिन विडंबना देखिए, आज खुद उसी भवन का पोस्टमार्टम हो चुका है। भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है और संबंधित विभाग के इंजीनियर ने निरीक्षण के बाद इसे डिस्मेंटल घोषित कर दिया है। भवन ध्वस्त होने के बाद अब मजबूरी में नगर के बीचों-बीच स्थित पुराने शासकीय अस्पताल परिसर में बनी मर्चुरी में पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

**इससे दो बड़ी समस्याएं खड़ी हो गई हैं-**

स्टाफ की मुसीबत - पोस्टमार्टम करने वाले कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में काम करना पड़ रहा है।

मरीजों की परेशानी - अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के कारण भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय मरीजों का साफ कहना है कि अस्पताल परिसर के बीच पोस्टमार्टम होना न्यायोचित नहीं है । इससे अस्पताल का माहौल प्रभावित होता है और आने-जाने वाले हर मरीज को मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ती है। जानकारी के अनुसार शासन द्वारा पीएम भवन नवनिर्माण के लिए 10 लाख रुपये की राशि पहले ही स्वीकृत हो चुकी है। बावजूद इसके आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। सवाल उठता है कि राशि स्वीकृत होने के बाद भी फाइलें किस-किस दफ्तर के चक्कर लगा रही हैं? नगरीय प्रशासन और संबंधित विभाग कब इस भवन का निर्माण कराकर क्षेत्रवासियों को इस बुनियादी सुविधा से वंचित रखने की इस बेड़ी को तोड़ेगा?

मांग- नगरवासियों और अस्पताल आने वाले मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और जल्द से जल्द गोटेगांव में नए पीएम भवन का निर्माण कराया जाए, ताकि अस्पताल परिसर में हो रही इस अमानवीय स्थिति से आम जनता को राहत मिल सके।

# अफवाह फैलाने वाले मिल जाएं तो उन्हें चप्पल से मारेंगे-के. साई रेड्डी

भोपाल (आरएनएस)। भारतीय किसान संघ (बीकेएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. साईं रेड्डी ने कहा एथेनॉल के खिलाफ गलत जानकारी फैलाई जा रही है। अफवाह फैलाने वाले मिल जाएं तो उन्हें चप्पल से मारेंगे।

रेड्डी ने कहा कि एथेनॉल का विरोध किसान और देश, दोनों के हितों के खिलाफ है। एथेनॉल से किसानों की आय बढ़ती है। विदेशी तेल पर देश की निर्भरता कम होती है। प्रदूषण में भी कमी आती है।एथेनॉल में हजारों लीटर पानी खर्च होने का दावा भ्रामक है। रेड्डी ने कहा गन्ने का पूरा रस निकालने के लिए केवल सीमित मात्रा में पानी मिलाया जाता है। इसके अलावा फैक्ट्रियों में उपयोग किया गया पानी दोबारा री-साइकिल किया जाता है। ऐसे में एथेनॉल उत्पादन में पानी की ज्यादा खपत की बात केवल अफवाह है।

रेड्डी ने कहा कि एथेनॉल गन्ना, मक्का और चावल जैसी फसलों से तैयार किया जाता है। इससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलता है। भविष्य में 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों को भी बढ़ावा देने की मांग की।

एथेनॉल मिक्स पेट्रोल से वाहनों में तकनीकी खराबी आने के सवाल पर रेड्डी ने कहा कि देश में पिछले 5 साल से एथेनॉल मिला पेट्रोल का उपयोग किया जा रहा है। अगर किसी वाहन में तकनीकी समस्या आती है तो उसका समाधान गाड़ी बनाने वाली कंपनियों को करना चाहिए। इसे एथेनॉल के खिलाफ प्रचार का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। भारतीय किसान संघ ने कहा- पेट्रोल और डीजल को भी सभी जगहों पर जीएसटी के दायरे में लाना चाहिए। इससे देशभर में ईंधन की कीमतों में एकरूपता आएगी। आम लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही किसानों से आत्महत्या न करने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की अपील की।

## नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 रतलाम में मेडिकल स्टोरों पर प्रशासन का छापा, दो को अल्टीमेटम

रतलाम (आरएनएस)। कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत शनिवार को प्रशासनिक और औषधि विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने रतलाम शहर के विभिन्न मेडिकल स्टोरों पर औचक निरीक्षण कर नारकोटिक्स दवाओं और कोडीन युक्त कफ सिरप के स्टॉक व क्रय-विक्रय रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान दो मेडिकल स्टोरों में कमियां पाए जाने पर उन्हें सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। औषधि निरीक्षक अजय कुमार मीणा ने बताया कि अभियान के तहत राजस्व और औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने नाहरपुरा स्थित शहनाज मेडिकल, शास्त्री नगर स्थित न्यू नेशनल मेडिकल तथा रतलाम हॉस्पिटल परिसर स्थित रतलाम केमिस्ट पर दबिश दी। टीम ने यहां मुख्य रूप से टॉसेक्स सिरप, एलप्रेक्स टैबलेट और ट्रामाडोल इंजेक्शन जैसी नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं की उपलब्धता और उनके रिकॉर्ड खंगाले। निरीक्षण के दौरान शहनाज मेडिकल और न्यू नेशनल मेडिकल के संचालक मौके पर दवाओं के क्रय-विक्रय से जुड़े वैध दस्तावेज और अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। इस लापरवाही पर टीम ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों प्रतिष्ठानों को दो दिन के भीतर समस्त रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

# भाजपा कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर जनता को बताएं भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां- डॉ. महेन्द्र सिंह

दतिया (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शनिवार को दतिया जिला कार्यालय में दतिया विधानसभा के सभी मंडलों एवं शक्ति केंद्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता हर बूथ के एक-एक घर पहुंचकर भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाकर पार्टी प्रत्याशी को विजयी बनाने का आशीर्वाद मांगें। यह चुनाव दतिया के विकास का चुनाव है, भाजपा सभी समाज वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हाथ मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ता दतिया में भाजपा को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का कार्य करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आह्वान करते हुए कहा कि दतिया विधानसभा क्षेत्र का एक भी घर ऐसा न बचे, जहां हमारे कार्यकर्ता न पहुंचे। हर घर तक पहुंचें और हर बूथ जीतने का संकल्प लेकर कार्य करें।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी कार्यों को जनता को बताकर पार्टी प्रत्याशी के लिए आशीर्वाद मांगें। भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है, ताकि जनता को पता चले कि भाजपा देश और प्रदेश के विकास के लिए क्या-क्या कार्य कर रही है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि यह चुनाव दतिया के विकास का चुनाव है। भाजपा सरकार में दतिया विधानसभा को नई पहचान मिली है। यहां पर कई विकास के कार्य कराए गए हैं। यह उपचुनाव भाजपा के विकास और कांग्रेस पार्टी के विनाश का चुनाव है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास पर चलने वाली पार्टी है। भाजपा जो कहती है वह करके भी दिखाती है।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।



## ये कदम सही दिशा में

जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को इतनी बड़ी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/ पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता। दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति सही दिशा में पहल है। राष्ट्रीय राजधानी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिहाज यह लाभदायक हो सकती है। लेकिन इस नीति का बोझ आम करदाताओं पर डालने पर नजरिया आपत्तिजनक है। उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करने के लिए 30 लाख रुपये तक की कारों पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में सौ फीसदी छूट दी गई है। साथ ही प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए बीएस-4 या उससे पुराने चार पहिया वाहनों के लिए एक लाख रुपये तक का स्क्रैपेज इंसेंटिव दिया जाएगा। अगले चार वर्ष में दिल्ली सरकार 15,000 करोड़ रुपये ऐसी सब्सिडी और ईवी के चार्जिंग स्थल बनाने आदि पर खर्च करेगी।

स्पष्टत: राजकोष से खर्च होने वाला ये पैसा उन नागरिकों की कीमत पर होगा, जो कार रखने का सपना भी नहीं देख पाते। जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को ऐसी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/ पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता। यह फैसला लिया जा सकता था कि ऐसी कार रखने वालों को ईवी की तुलना में दो या तीन गुना अधिक रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क देना होगा। सार्वजनिक स्थलों पर वैसे वाहनों का पार्किंग शुल्क भी दो या तीन गुना ज्यादा किया जा सकता था। भारत में कार रखने वाले तबकों के लिए यह खर्च कोई बड़ा बोझ नहीं है। उस स्थिति में इस जरूरी पहल का बोझ राजकोष पर नहीं पड़ता।

# भोजशाला और ज्ञानवापी का नजराना देकर नजीर पेश करे मुस्लिम समाज

धार की वाग्देवी (मां सरस्वती) की पावन धरोहर %भोजशाला% और साथ-साथ काशीनाथ के ज्ञानवापी मंदिर का मामला आज पुन: मुस्लिम समाज से सौहाद्र की आशा लिए खड़ा है।

मुस्लिम समाज और विशेषत: इस समाज के नेतृत्व का दावा करने वाले नेताओं को क्या यह बात समझ नहीं आती है कि - 卐इस ऐतिहासिक परिसर पर हिंदू समाज का दावा केवल आस्था पर नहीं, बल्कि अकाट्य ऐतिहासिक और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित है?卐

मुस्लिम समाज के नेता यदि अपनी सियासती स्वार्थों के कारण सही बात नहीं पर पा रहे हैं तो मुल्ला, मौलवी, मुस्लिम स्कालर्स, प्रोफेसर्स, बुद्धिजीवियों को आगे आना चाहिए और भोजशाला व ज्ञानवापी का नजराना थाली में सजाकर हिंदू समाज को सौंपना चाहिए। यदि मुस्लिम नेता और आलिम दोनों ही ऐसा नहीं करते हैं तो फिर बार-बार गंगा जमुनी तहजीब की बात हिंदू और मुस्लिम समाज दोनों को ही बंद कर देनी चाहिए। गंगा-जमुनी तहजीब केवल जुमला नहीं है यह मुस्लिम वर्ग को सिद्ध करने का यह सर्वाधिक सटीक अवसर है।

परमार वंश के महान राजा भोज द्वारा वर्ष 1034 में निर्मित यह संस्कृत पाठशाला और वाग्देवी मंदिर भारतीय ज्ञान परंपरा का एक अनुपम केंद्र था। हाल ही में उच्च न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस स्थान के मूल स्वरूप को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है।

सर्वेक्षण के दौरान परिसर और उसके मलबे से सनातन धर्म के विभिन्न देवी-देवताओं की खंडित एवं संरक्षित प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं। इनमें भगवान गणेश, शिव, विष्णु, ब्रह्मा, माता पार्वती और वाग्देवी (सरस्वती) की अद्भुत कलाकृतियां सम्मिलित हैं। ये मूर्तियां स्पष्ट करती हैं कि यह मूल रूप से एक मंदिर परिसर था।

भोजशाला की दीवारों और स्तंभों पर संस्कृत और प्राकृत भाषा में लिखे गए कई शिलालेख मिले हैं। इनमें संस्कृत व्याकरण (पतंजलि के सूत्र), काव्य और राजा भोज की स्तुति अंकित है। मस्जिदों में अरबी या फारसी के शिलालेख होते हैं, परंतु यहाँ देवनागरी लिपि में खुदे वैदिक मंत्र और व्याकरण के नियम इस स्थान के अकाट्य %सरस्वती कंठाभरण% (विद्या का मंदिर) होने की पुष्टि करते हैं।

परिसर के स्तंभों, बीम और छतों पर नक्काशीदार कमल, स्वस्तिक, कलश, शंख, कीर्तिमुख और अप्सराओं की आकृतियां उकेरी गई हैं। इस्लामी वास्तुकला में जीवंत आकृतियों का अंकन पूर्णत: वर्जित है, जबकि भोजशाला के कोने-कोने में ये कलाकृतियां बिखरी पड़ी हैं, जो इसके मंदिर होने का जीवंत प्रमाण हैं। वैज्ञानिक जांच में परिसर के भीतर प्राचीन हवन कुंड और गर्भगृह के स्पष्ट अवशेष मिले हैं। वर्तमान में जो ढांचा मस्जिद के रूप में उपयोग किया जा रहा है, वह वास्तव में मंदिर के ही स्तंभों और सामग्री को उलट-पुलट कर तथा उन्हें क्षतिग्रस्त करके खड़ा किया गया है।

ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, इस मंदिर की मूल अधिष्ठात्री देवी %वाग्देवी% की प्रतिमा को ब्रिटिश काल में यहाँ से हटाकर लंदन के %ब्रिटिश म्यूजियम% में रख दिया गया था, जिसके आधार पर भी हिंदू समाज का यह दावा वैश्विक स्तर पर सिद्ध होता है। इन तमाम वैज्ञानिक और पुरातात्विक तथ्यों के प्रकाश में यह स्पष्ट है कि धार की भोजशाला पर हिंदू समाज का अधिकार पूरी तरह स्वाभाविक, ऐतिहासिक और न्यायसंगत है। ऐसे में, इस सत्य को नकारकर अदालतों में अपील दर अपील करना केवल समय की बर्बादी और समाज में कटुता बढ़ाने का माध्यम ही बनेगा। काशी की %ज्ञानवापी% और धार की %भोजशाला% दोनों ही स्थानों पर प्रत्यक्ष दिखने वाले पुरातात्विक साक्ष्य चिल्ला-चिल्लाकर सच्चाई बयां कर रहे हैं। सत्य को केवल कानूनी दांव-पेंचों से कुछ समय के लिए टाला जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता। न्यायालय भी अंतत: साक्ष्यों और जनभावनाओं के संतुलन पर ही निर्णय देता है। ऐसे में फिर से सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाना 卐अपनी ही कुल्हाड़ी पर पैर मारने卐 जैसा है। मुस्लिम समाज के नेताओं, मुल्ला-मौलवियों, बुद्धिजीवियों यह विचार करना ही चाहिए कि ऐसी हठधर्मिता भला किस काम की? वो क्यों अयोध्या जैसी जि़द किए रहना चाहते हैं? हठधर्मिता का अंत हमेशा कड़वाहट के साथ होता है, जबकि संवाद का अंत सदैव सम्मान के साथ होता है। भारतीय मुसलमानों को यह ऐतिहासिक सत्य स्वीकार करना होगा कि उनके पुरखों के जींस और रक्त इस देश की मिट्टी से जुड़े है, किसी विदेशी आक्रांता बाबर या औरंगजेब से नहीं। वे इसी भूमि की संतान हैं। बहुसंख्यक हिंदू समाज ने सदियों तक अपने मानबिंदुओं के विध्वंस को मूक दर्शक बनकर झेला है, और अब स्वतंत्रता के बाद वह अपनी सांस्कृतिक पहचान को पुन: स्थापित करने के लिए आतुर है। ऐसी परिस्थिति में मुस्लिम समाज को कानूनी लड़ाई लड़ने के बजाय एक बड़ा दिल दिखाना चाहिए। हिंदू समाज को %बड़ा भाई% मानते हुए उन्हें आगे बढ़कर यह कहना चाहिए-

## यक्ष प्रश्न- क्या विकसित भारत 2047 का लक्ष्य 2075 में हासिल होगा?

यदि आप विकसित भारत 2047 का स्वप्न देख रहे हैं तो थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया है कि यदि भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर, उत्पादकता और रोजगार सृजन की गति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ, तो भारत को 卐विकसित देश卐 बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। बता दें कि यह कोई आधिकारिक सरकारी अनुमान नहीं है, बल्कि कतिपय अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक आर्थिक विश्लेषण पर आधारित दृष्टिकोण मात्र है, जो सत्य के निकट है या परे, यह भविष्य के गर्भ में है। हाँ, इतना जरूर है कि इससे विपक्ष को सत्तापक्ष की खिल्ली उड़ाने का एक मौका जरूर मिल गया है।

दरअसल, इस संदर्भ में चर्चित अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने भी कहा कि यदि वर्तमान गति ऐसी ही बनी रही, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 तक हासिल करना कठिन हो सकता है। मसलन, स्ब्हस्द्रद्बह्ल क्द्धड्डद्यद्यड्ड का आशय यह है कि केवल उच्च आर्थिक वृद्धि दर पर्याप्त नहीं है। यदि वर्तमान गति, निवेश, उत्पादकता और रोजगार सृजन की चुनौतियाँ बनी रहीं, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। इस प्रकार से देखा जाए तो उन्होंने और उनके जैसे अन्य कई अर्थशास्त्रियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रमुख चिंताएँ इस प्रकार हैं- पहली, विकास दर में कमी- विकसित भारत के लक्ष्य के लिए लंबे समय तक 8-9त्न या उससे अधिक वास्तविक त्नष्ठक्क वृद्धि की आवश्यकता मानी जाती है, जबकि हाल के वर्षों में वृद्धि इससे कम रहने का अनुमान है। दूसरी, प्रति व्यक्ति आय- विकसित देश बनने का आधार केवल कुल त्नष्ठक्क नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौती- आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं। चौथी, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग)- त्नष्ठक्क और रोजगार में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाई है। पांचवीं, मानव पूंजी- शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और श्रम उत्पादकता में अभी भी उल्लेखनीय सुधार की आवश्यकता है।

## गाजियाबाद के मुरादनगर में विपक्षियों पर गरजें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 जुलाई 2026 की सांय लगभग 4.30 बजे मुरादनगर के तेजपाल सिंह त्यागी कुशल पाल त्यागी मेमोरियल डिग्री कॉलेज में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की प्रतिमा का अनावरण किया। भारतीय जनता पार्टी के मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने अपने पिता की स्वर्णिम अनमोल यादों को संजोने के लिए एक भव्य अनावरण समारोह का आयोजन किया। प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर एवं मोदीनगर विधान सभा क्षेत्रों में ?868 करोड़ से अधिक लागत की 90 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण / शिलान्यास भी किया और गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में पंहुच कर के कांवड़ यात्रा की तैयारियों के लिए बैठक करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिढ़ होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है। यहां आपको बता दें कि लोकप्रिय जननेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी किसी परिचय व सम्मान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी निर्भीक, बेबाक, जनसेवा सर्वोपरि वाली कार्यशैली के दम पर जनता की अदालत में जीवन पर्यन्त विशेष प्रेम पाते हुए विशिष्ट सम्मान प्राप्त करने का कार्य किया था। राजपाल त्यागी ने अपने द्वारा किये गये विकास कार्यों के दम पर जनता की अदालत में जीवित रहते हुए ही विकास पुरुष का खिताब हासिल करने का कार्य कर लिया था, जोकि सार्वजनिक जीवन में बहुत बड़ी अनमोल उपलब्धि थी। राजपाल त्यागी ने जीवन पथ पर आम जनमानस के बीच व राजनीतिक गलियारों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाते हुए सफल राजनेता बनने का मुकाम बखूबी हासिल किया था, जो किसी भी राजनेता को बहुत ही मुश्किल से हासिल होता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की लोकप्रिय का आलम यह था कि वह मुरादनगर विधानसभा से कांग्रेस, सपा व बसपा के टिकट के साथ-साथ निर्दलीय के रूप में छह बार विधायक चुने गए थे। 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद 18 जुलाई 2025 को जब राजपाल त्यागी का निधन हो गया था, तो उस वक्त खराब मौसम व कांवड़ यात्रा में रास्ते बंद होने के बावजूद भी उनको अंतिम विदाई देने के लिए हिंडन श्मशान घाट पर भारी संख्या में जन सैलाव उमड़ पड़ा था। पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी की खूबी थी कि वह अपने राजनीतिक सफ़र में केवल चुनावों तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए अपना जीवन क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए समर्पित कर रखा था। उनकी सबसे बड़ी खूबी थी वह क्षेत्र के अधिकतर लोगों को नाम से जानते थे और वह अपने क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर के आगे खड़े नज़र आते थे, कोई भी व्यक्ति जब उनकी चौखट पर किसी कार्य को लेकर आता था तो वह कभी भी निराश होकर वापस नहीं आता था। आम जनमानस के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि वह मुरादनगर क्षेत्र से निर्दलीय विधायक के रूप तक में भी चुनें जाते थे,

### भड़ली नवमी पर नहीं बजेंगी शहनाइयां- अबूझ मुहूर्त के बावजूद गुरु अस्त होने से मांगलिक कार्यों पर रोक

भड़ली नवमी 22 जुलाई बुधवार को मनाई जाएगी। इस दिन ही गुप्त नवरात्र का समापन होगा। पंचांग के अनुसार इस तिथि पर अबूझ मुहूर्त होता है। बगैर पंचांग और शुभ-अशुभ का विचार किए बगैर विवाह से लेकर अन्य मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। इस बार अबूझ तिथि को पणिग्रहण सहित और ग्रह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जा सकेंगे, क्योंकि देव गुरु बृहस्पति अस्त स्थिति में हैं। देव गुरु के अस्त होने पर कोई मांगलिक कार्य नही किया जा सकता है। इसलिए देवश्यनी एकादशी के 10 दिन पहले से विवाह का कोई शुभ मुर्हूत नही हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि ज्योतिष और पंचांग के नियमों के अनुसार इसके पीछे कुछ मुख्य कारण और तथ्य हैं। गुरु को सभी शुभ कार्यों, ज्ञान और सौभाग्य का कारक माना जाता है। जब गुरु सूर्य के अत्यधिक करीब आने से अस्त हो जाते हैं, तो उनकी शुभ किरणें पृथ्वी तक नहीं पहुंच पातीं। आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी को भड़ली नवमी कहा जाता है। इसे साल के सबसे बड़े %अबूझ मुहूर्त% में गिना जाता है, लेकिन गुरु अस्त होने के कारण यह मुहूर्त भी मान्य नहीं होगा।

## लोग खुद ही नैरेटिव के जाल में फंसे

हरिशंकर व्यास

देश के नागरिकों के असली सरोकार अलग हैं और उनकी राजनीतिक चिंताएं या प्राथमिकताएं अलग हैं। यह पिछले 12 साल की राजनीतिक उपलब्धि है। पहले लोगों के जीवन की समस्या का रिफ्लेक्शन उनकी चुनावी प्राथमिकता में दिखता था। लोग सरकार से नाराज होते थे तो सरकार बदल देते थे। विपक्षी पार्टियों की रैलियों में नारा लगता था कि 'जो सरकार महंगाई न रोके वो सरकार निकम्मी है' और 'जो सरकार निकम्मी है वो सरकार बदलनी है'। लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह से बदल गई है। विपक्ष नारे तो लगा रहा है और लोग समझ भी रहे हैं कि सरकार महंगाई नहीं रोक पा रही है, सरकार रोजगार नहीं दे रही है, सरकार गरीबी कम नहीं कर पा रही है, सरकार दाखिला व रोजगार वाली परीक्षाएं ठीक से नहीं करा पा रही है फिर भी ऐसी सरकार बदल देनी है यह बात नहीं दिख रही है।

क्यों यह दो भारत की तरह का मामला नहीं है, बल्कि एक ही भारत के दो चरित्र हैं। एक ही व्यक्ति के दो चरित्र हैं। एक चरित्र तो वह है, जिसमे वह अपने और अपने परिवार के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी बातों की चिंता करता है। इसमें उसकी सबसे बड़ी चिंता है कि नौकरी नहीं मिल रही है। आर्थिक संकट है। महंगाई बढ़ रही है और दिन प्रतिदिन हालात खराब होते जा रहे हैं। उसका दूसरा चरित्र यह मजबूरी जाहिर करना है कि क्या करें, कोई रास्ता भी तो नहीं है। यह बड़ी कमाल की बात है कि हर मुश्किल के लिए पहले की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया जाता है या फिर यह मजबूरी जाहिर की जाती है कि क्या करें अगर इस सरकार को हटाएं तो किसको चुन दें ऐसा कहने वाले या तो बहुत शातिर हैं या इतने भोले हैं कि उन्होंने सरकार की ओर से व्यवस्थित तरीके से चलाए गए इस कैम्पेन को स्वीकार कर लिया है कि विपक्ष बहुत निकम्मा है और इसलिए जो लोग अभी सरकार चला रहे हैं, वे जैसा चला रहे हैं वैसा ही चलने दिया जाए।

ऐसा भारत में पहले नहीं होता था और न दुनिया में किसी दूसरे देश में ऐसा होता है। यह कहीं नहीं होता है कि वास्तविकता के ऊपर झूठ का नैरेटिव इतना हावी हो जाए कि लोग अपनी वास्तविक समस्याओं को भूल कर नैरेटिव के आधार पर राजनीतिक विचार बनाएं और चुनाव में मतदान करें। नैरेटिव क्या है कि हिंदू राष्ट्र बन रहा है, नैरेटिव क्या है कि हिंदुत्व की भावना मजबूत हो रही है, नैरेटिव यह भी है कि मुसलमानों को ठीक किया जा रहा है, यह भी नैरेटिव है कि कांग्रेस या दूसरी पार्टियां आ जाएंगी तो हिंदुओं का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा यानी सिर्फ भाजपा ही हिंदुओं को बचा सकती है। इस किस्म के राजनीतिक नैरेटिव की वजह से देश के लोग अपनी वास्तविक समस्याओं को भूल कर वोट देते हैं। सो आम आदमी का वास्तविक सरोकार जो है वह उसकी राजनीतिक प्राथमिकता से अलग है। वास्तविक सरोकार बेरोजगारी, गरीबी, पलायन, अशिक्षा, खराब परीक्षा व्यवस्था, बेकार स्वास्थ्य सुविधा, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार आदि की है।

### आखिर क्या है भविष्यमालिका, इसमें कलयुग के अंत का भी जिक्र, केदारनाथ-बद्रीनाथ पर संकट की बात भी कही गई

सनातन धर्म में समय को चार युगों (सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग) में बांटा गया है। इनमें कलयुग को अंतिम युग माना जाता है। श्रीमद्भागवत पुराण, विष्णु पुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में कलयुग के अंत को लेकर कई बातें कही गई हैं। इन्हीं मान्यताओं के साथ 'भविष्यमालिका' भी इन दिनों चर्चा में है। माना जाता है कि इसे लगभग 500 साल पहले ओडिशा के संत अच्युतानंद दास ने लिखा था। इसमें भविष्य से जुड़ी कई घटनाओं का उल्लेख भी किया गया है। हालांकि, इन भविष्यवाणियों को लेकर सभी के अलग-अलग मत हैं। हालांकि, इनकी ऐतिहासिक या वैज्ञानिक पुष्टि भी उपलब्ध नहीं है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, संत अच्युतानंद दास ने भविष्य से जुड़े 300 से अधिक ग्रंथों की रचना की थी। इन्हें सामूहिक रूप से भविष्यमालिका या अच्युतानंद मालिका कहा जाता है। मान्यता है कि ये ग्रंथ ओडिशा के जगन्नाथ पुरी से जुड़े कुछ मठों और मंदिरों में सुरक्षित हैं। इनमें दुनिया के भविष्य, कलयुग के अंत और नए युग की शुरुआत से जुड़ी कई भविष्यवाणियों का उल्लेख मिलता है।

भविष्यमालिका के अनुसार, जैसे-जैसे कलयुग अपने अंतिम चरण में पहुंचेगा, वैसे-वैसे धरती पर बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कुछ मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि बाढ़ और अन्य प्राकृतिक घटनाओं के कारण पुराने शहर और गांव दोबारा सामने आ सकते हैं।

## अकादमिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और कर्मचारी हितों के साथ आगे बढ़ता छत्तीसगढ़

विष्णु प्रसाद वर्मा

किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है और इसकी गुणवत्ता केंद्र में खड़े शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों की सक्षमता, सुरक्षा और सम्मान पर निर्भर करती है। जब उच्च शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत मानव संसाधन को पदोन्नति, सेवा सुरक्षा, वित्तीय सम्मान और शोध के अवसर एक साथ मिलते हैं, तब शिक्षा राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की सबसे मजबूत धुरी बन जाती है। छत्तीसगढ़ का उच्च शिक्षा विभाग इन दिनों इसी व्यापक और समग्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग को केवल भवनों, पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं तक सीमित न रखकर उसे अकादमिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, रोजगार सृजन, शोध संवर्धन और कर्मचारी कल्याण से जोड़ा है। हाल के महीनों में लिए गए निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को भविष्य के ज्ञान-केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पदोन्नतियों की लंबित फाइलों को गति देना, नई भर्तियां, वेतनमान व एरियर्स का निराकरण, तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति, शोध को प्रोत्साहन और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कदमों से विभाग ने हर मोर्चे पर ठोस और संवेदनशील पहल की है।

पदोन्नति से संस्थागत नेतृत्व को नई शक्ति

उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का एक बड़ा आधार उनका नेतृत्व होता है। जब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग्य और अनुभवी शिक्षकों को समय पर पदोन्नति मिलती है, तो उसका सीधा असर संस्थान की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक क्षमता पर दिखाई देता है। लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को गति देकर राज्य सरकार ने एक निर्णायक पहल की है।

वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नत कर प्राध्यापक (प्रोफेसर) बनाया गया है। इसके साथ ही 152 पदोन्नत प्राध्यापकों को स्नातक प्राचार्य तथा 07 स्नातक प्राचार्यों को स्नातकोत्तर (क्कत्र) प्राचार्य के पद पर पदोंन्नत किया गया है। इन निर्णयों से महाविद्यालयों की कमान अनुभवी हाथों में पहुँची है, जिससे संस्थागत निर्णय क्षमता, शैक्षणिक अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत होगी।

सीधी भर्ती से युवाओं के लिए खुले अवसरों के नए द्वार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के लिए संस्थानों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक और विशेषज्ञ अनिवार्य हैं। राज्य सरकार ने रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर युवाओं के लिए सरकारी सेवा में प्रवेश के बड़े अवसर निर्मित किए हैं। शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के 595 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है।

इसके अतिरिक्त, विभागीय संरचना को सशक्त बनाने के लिए कुल 700 पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी गई है। इनमें 625 पद सहायक प्राध्यापक, 50 पद ग्रंथपाल और 25 पद क्रीड़ाधिकारी के शामिल हैं। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से विषयवार अध्यापन की गुणवत्ता बेहतर होगी, ग्रंथपालों से पुस्तकालय अकादमिक संसाधनों के प्रभावी केंद्र बनेंगे और क्रीड़ाधिकारियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। यह अभियान प्रदेश के योग्य युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनने जा रहा है।

छ्व-स्श्वञ्ज- युवा अकादमिक प्रतिभाओं के लिए बड़ी उम्मीद

राज्य में सहायक प्राध्यापक बनने की आकांक्षा रखने वाले हजारों युवाओं के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (छ्व-स्श्वञ्ज) एक महत्वपूर्ण अवसर है। विभाग द्वारा छ्व-स्श्वञ्ज का आयोजन 04 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है द्य सरकार नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को अकादमिक करियर में आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक परिदृश्य और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाने का अवसर देती है।

प्रयोगशालाओं और तकनीकी तंत्र को मिला नया आधार

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक विषयों के लिए प्रयोगशालाएं, उपकरण और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ उतने ही आवश्यक हैं जितने कक्षा और कक्ष। वर्ष 2025-26 के दौरान प्रयोगशाला तकनीशियन के 260 रिक्त पदों के विरुद्ध 247 अभ्यर्थियों तथा प्रयोगशाला परिचारक के 429 रिक्त पदों के विरुद्ध 399 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता से प्रयोगशालाओं का नियमित संचालन और विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

वेतनमान, एरियर्स और सेवा सुरक्षा- कर्मचारियों का बढ़ा भरोसा

विभागीय मजबूती का सबसे बड़ा आधार कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, न्यायपूर्ण वेतन संरचना और लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान है। आपातकालीन रूप से अचयनित रहे 72 सहायक प्राध्यापकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठ, प्रवर श्रेणी और पे-बैंड-4 की स्वीकृति देकर 37.23 करोड़ रुपये की एरियर्स राशि उनके खातों में अंतरित की गई है, जो संस्थागत न्याय का प्रतीक है।

इसी तरह, वर्ष 2021 और 2022 में नियुक्त लगभग 1168 सहायक प्राध्यापकों में से रिकॉर्ड 935 नवनियुक्त प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। परिवीक्षा समाप्त होना कर्मचारियों के लिए स्थायित्व और पेशेवर सुरक्षा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिससे विभाग के भीतर प्रतिबद्ध शैक्षणिक कार्यबल तैयार हुआ है।

शोध, अनुसंधान और गैर-अकादमिक स्टाफ का कल्याण

उच्च शिक्षा व्यवस्था में शोध और नवाचार की भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा 577 सहायक प्राध्यापकों को पीएचडी करने की अनुमति देना एक दूरदर्शी निर्णय है। अधिक शिक्षक जब शोध से जुड़ेंगे, तो कक्षा में अद्यतन ज्ञान पहुंचेगा और महाविद्यालयों में बौद्धिक विमर्श का स्तर ऊपर उठेगा।

शिक्षकों के साथ-साथ तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भी व्यवस्था की रीढ़ हैं। दिसंबर 2023 से अब तक दिवंगत कर्मचारियों के 34 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है, जो संकटग्रस्त परिवारों को जीवन संभालने का संबल देती है। इसके अतिरिक्त, 324 कर्मचारियों को उच्चतर समयमान वेतनमान प्रदान किया गया है और वर्ष 2024-25 की पदोन्नति संबंधी समस्त कार्यवाहियां समय सीमा में पूर्ण कर ली गई हैं।

उच्च शिक्षा में समग्र सुधार का उभरता मॉडल उच्च शिक्षा विभाग के ये फैसले मिलकर एक व्यापक परिवर्तनकारी मॉडल की रचना करते हैं, जहां नेतृत्व सुदृढ़ीकरण, नई भर्ती, सेवा सुरक्षा, कर्मचारी कल्याण, तकनीकी संसाधन और शोध संवर्धन एक साथ आगे बढ़ते हैं। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आज दिखाई दे रहे हैं, वे केवल विभागीय उपलब्धियों की सूची नहीं, बल्कि एक ऐसी नीति-दृष्टि हैं जिसमें शिक्षा को राज्य के भविष्य निर्माण का केंद्रीय माध्यम माना गया है। आने वाले समय में ये प्रयास छत्तीसगढ़ के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को ज्ञान, शोध, नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन के सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे।

## -:: आज का राशिफल ::-



मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी मनोकामना आज पूरी होगी और आपको परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे अच्छे कॉलेज में आप एडमिशन ले पाएंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज का दिन व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगा, रोज की अपेक्षा अधिक लाभ होगा। आज निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके आपको मिल सकते हैं,

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने में लगेगा। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बने हुए हैं। आज अपने कार्यों को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखें। आज आर्थिक मामलों पर मनन और चिंतन करने की जरूरत है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की योजना बन सकती है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में आज परिवार से सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी में पब्लिक डीलिंग करते समय आज नकारात्मक शब्दों के प्रयोग से बचें।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज ट्रांसफर ऐसी जगह होगा जहां से आपको अप-डाउन करने में आसानी होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज आपका सामाजिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। आपके कामों से आपके पड़ोसी प्रभावित होंगे। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने के लिए उत्साहित रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्साहवर्धक रहेगा। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा है। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आज आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अचानक धन लाभ का योग बन रहा है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज दिन आपके लिए नई ऊर्जा से भरा रहने वाला है। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आप घर पर किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करेंगे। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज लोगों के बीच आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आएगा। कार्य स्थल पर अधिकारी आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। आज समय का सदुपयोग करके आप अपने कार्य की गुणवत्ता को बेहतर कर सकते हैं। सफल होने के योग हैं।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। आज कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज जिस भी कार्य को शुरू करेंगे उसमें आपको निश्चित ही सफलता मिलेगी। संतान के करियर को लेकर आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ लगातार भारी बारिश से पैदा हुई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्च-स्तरीय बैठक की। राजौरी ज़िले में अचानक आई बाढ़ के बाद, शाह ने इमरजेंसी राहत और बचाव कार्यों के लिए केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन से संपर्क किया। ङ्क पर एक पोस्ट में उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारी बारिश से पैदा हुए हालात के बारे में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

# राम मंदिर निर्माण किसी सरकार या दल की उपलब्धि नहीं, न्यायिक प्रक्रिया का नतीजा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

अयोध्या,(आरएनएस)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अयोध्या दौरे के दौरान राम जन्मभूमि, सनातन धर्म, गौ संरक्षण और अपनी %गविष्टि यात्रा% को लेकर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल एक प्राचीन नगर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की आधारभूमि है, जहां भगवान श्रीराम ने अवतार लेकर धर्म को व्यावहारिक स्वरूप दिया। पत्रकारों से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि अयोध्या ने न केवल दुनिया को दिशा दिखाई, बल्कि सनातन धर्म को संरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के रूप में धर्म ने जब अवतार लिया तो अयोध्या को अपनी जन्मभूमि के रूप में चुना। उनके अनुसार, यह वही स्थान है जहां धर्म का साकार स्वरूप प्रकट हुआ और यहीं से उसका विस्तार चारों दिशाओं में हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण सात मोक्षदायिनी पुरियों में अयोध्या को प्रथम स्थान प्राप्त है। उन्होंने यह भी कहा कि कलियुग के प्रभाव के कारण राम जन्मभूमि एक समय लुप्त हो गई थी।

राम मंदिर निर्माण के संबंध में उन्होंने कहा कि यह किसी सरकार या राजनीतिक दल की उपलब्धि नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि विवाद में कानूनी लड़ाई %राम लल्ला विराजमान% की ओर से लड़ी गई थी और सर्वोच्च न्यायालय का फैसला भी उनके पक्ष में आया। इसलिए मंदिर के मुख्य गर्भगृह और मुख्य आसन पर विराजमान होने का अधिकार भी %राम लल्ला विराजमान% का ही है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, अपनी %गविष्टि यात्रा% के जरिए हमने लगभग 375 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं से संवाद किया है। आज हम इस यात्रा के बारे में चर्चा करने के लिए इस पवित्र भूमि पर आए हैं। %गविष्टि% का अर्थ गौ माता के जीवन और सम्मान की रक्षा करना है। गौ माता इस दुनिया में केवल मांस या दूध के लिए नहीं आई हैं। उन्हें केवल इन्हीं नजरियों से देखना उचित नहीं है। उनका उद्देश्य इससे कहीं अधिक व्यापक और विशिष्ट है। जहां तक अयोध्या का प्रश्न है, इसकी महानता भगवान श्रीराम की जन्मभूमि होने के कारण है। अगर गौ माता न होतीं, तो आज राम जन्मभूमि हमारे पास न होती।

उन्होंने गौ संरक्षण, सनातन धर्म के मूल्यों और धार्मिक आस्था को समाज के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए लोगों से इन परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धर्म, न्याय और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा इन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना आवश्यक है।

**मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में बड़ा बदलाव, अब किसी भी कंपनी को मिलेगी अनुमति**

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए नेशनल मेडिकल कमीशन (ह्रस्ष्ट) ने मेडिकल कॉलेज खोलने से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। नए प्रावधानों के तहत अब कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कोई भी कंपनी मेडिकल कॉलेज स्थापित कर सकेगी। इससे पहले यह अनुमति केवल सेक्शन-8 (गैर-लाभकारी) कंपनियों तक सीमित थी।

=क्या बदला है नियम?=

अब तक केवल गैर-लाभकारी संस्थाओं को ही मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अनुमति थी। सेक्शन-8 कंपनियां अपने लाभ को संस्थान के विकास या सामाजिक कार्यों में ही खर्च कर सकती थीं। लेकिन नए नियम लागू होने के बाद लाभ कमाने वाली कंपनियां भी निर्धारित मानकों का पालन करते हुए मेडिकल कॉलेज शुरू कर सकेंगी।

सरकार का मानना है कि गैर-लाभकारी शर्त के कारण कई बड़े कॉर्पोरेट समूह मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करने से बच रहे थे। साथ ही, अनौपचारिक रूप से मुनाफा कमाने की शिकायतें भी सामने आती थीं। सरकार का तर्क है कि कानूनी व्यवस्था बनने से निवेश बढ़ेगा, पारदर्शिता आएगी

पटना, बिहार पहुंचने पर बीजेपी बिहार अध्यक्ष संजय सरावगी ने बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का गर्मजोशी से स्वागत किया।

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने बात की। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया; वे पिछले 20 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर थे और उनकी तबीयत बिगड़ गई थी।

## भारत की अंतरिक्ष उड़ान में नया अध्याय- निजी रॉकेट विक्रम-1 की सफल लॉन्चिंग, पीएम मोदी ने दी बधाई

हैदराबाद/श्रीहरिकोटा ,(आरएनएस)। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपने पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल %विक्रम-1% का सफल प्रक्षेपण किया। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शुक्रवार दोपहर 12:05 बजे रॉकेट ने सफल उड़ान भरी और निर्धारित मिशन के तहत पेलोड को 450 किलोमीटर ऊंची लो-अर्थ ऑर्बिट में स्थापित किया। इस सफलता के साथ भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग ने एक नए युग में प्रवेश किया है।

=प्रधानमंत्री ने दी पूरी टीम को बधाई=

रॉकेट की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापकों और वैज्ञानिकों से फोन पर बातचीत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सफल मिशन नहीं, बल्कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में नए दौर का आगमन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब निजी क्षेत्र के लिए स्पेस सेक्टर खोलने का निर्णय लिया गया था, तब कई तरह की आशंकाएं थीं, लेकिन युवाओं ने अपनी प्रतिभा से उस निर्णय को सही साबित कर दिया।

उन्होंने टीम की युवा ऊर्जा की सराहना करते हुए कहा कि देश के युवाओं पर भरोसा करने का परिणाम आज पूरे देश के सामने है और यह उपलब्धि आने वाले समय में भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

=%वंदे मातरम्% का संदेश भी पहुंचा अंतरिक्ष तक=

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर स्काईरूट टीम को %वंदे मातरम्% लिखा एक विशेष पोस्टकार्ड भी भेजा। मिशन की सफलता के बाद स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ पवन कुमार चंदाना ने बताया कि प्रधानमंत्री का यह संदेश भी सफलतापूर्वक ऑर्बिट तक पहुंचा। उन्होंने इसे भारत और वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग दोनों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

=भारत में डिजाइन और निर्मित है विक्रम-1=

करीब 23 मीटर ऊंचा और 1.7 मीटर व्यास वाला विक्रम-1 पूरी तरह भारत में डिजाइन और विकसित किया गया तीन चरणों वाला सॉलिड-फ्यूल लॉन्च व्हीकल है। इसमें अत्याधुनिक ऑर्बिट एडजस्टमेंट मॉड्यूल (ह्रस्रू) लगाया गया है, जो आवश्यकता पड़ने पर दोबारा सक्रिय होकर उपग्रहों को सटीक कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है।

यह रॉकेट लो-अर्थ ऑर्बिट में 350 किलोग्राम तथा सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट में लगभग 260 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की क्षमता रखता है।

=निजी अंतरिक्ष उद्योग को मिलेगा नया बल=

विशेषज्ञों के अनुसार, विक्रम-1 की सफलता भारत के उभरते कमर्शियल स्पेस सेक्टर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और मजबूत होगी। यह मिशन अर्थ ऑब्जर्वेशन, संचार, वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी परीक्षण जैसे क्षेत्रों में निजी भागीदारी को नई दिशा देगा।

## अमताला में अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय पर चला बुलडोजर, अवैध निर्माण का आरोप

कोलकाता ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के अमताला में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया। प्रशासन का कहना है कि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के बिना और निर्धारित भवन नियमों का उल्लंघन कर किया गया था।

**=भारी सुरक्षा के बीच हुई कार्रवाई=**

शनिवार को प्रशासन ने पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बल, अग्निशमन विभाग और आपातकालीन सेवाओं की मौजूदगी में बुलडोजर और खुदाई मशीनों की मदद से कार्रवाई शुरू की। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

प्रशासन के अनुसार, पार्टी कार्यालय के निर्माण को लेकर भवन नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद संबंधित पक्ष को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलाया गया था। वैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई आगे बढ़ाई गई और इसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू किया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए नारेबाजी की।

अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना ज़िले के अमतला में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का पार्टी ऑफ़िस गिरा दिया।

## जंतर-मंतर कार्रवाई पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला, शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाए जाने के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को लोकतांत्रिक अधिकार के बजाय कानून-व्यवस्था का मुद्दा मानकर दबाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार देता है। उनका आरोप है कि हालिया घटनाक्रम से यह संदेश जा रहा है कि असहमति की आवाज़ को दबाने की कोशिश की जा रही है। खेड़ा ने कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करती है और हालिया कार्रवाई सरकार के रवैये पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताते हुए केंद्र सरकार की आलोचना की। सोनम वांगचुक पिछले 21 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर थे। शनिवार तड़के उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि यह कदम चिकित्सकीय सलाह और दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप उठाया गया है

## 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाएं और गरज-चमक की चेतावनी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में मानसून की सक्रियता बढ़ने के बीच 15 राज्यों के लिए भारी बारिश, तेज हवाओं और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, कई क्षेत्रों में बिजली गिरने, जलभराव और तेज हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हो सकता है। लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

=यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में तेज हवाओं की आशंका=

आईएमडी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ गरज-चमक और भारी वर्षा की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग ने चेताया है कि तेज हवाओं से पेड़, बिजली के खंभे और फसलों को नुकसान पहुंच सकता है, जबकि बिजली गिरने का खतरा भी बना रहेगा।

=दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट=

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में मौसम लगातार बदल रहा है। आईएमडी ने 18 जुलाई के लिए बारिश, आकाशीय बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। दिन में गर्मी और उमस बनी रहेगी, लेकिन दोपहर बाद हल्की बारिश और गरज-चमक से मौसम में बदलाव आने की संभावना है।

## इस्लामाबाद में एससीओ बैठक में शामिल हुआ भारत, पाकिस्तान संग सीमा सुरक्षा पर हुई चर्चा

नईदिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान से तनाव के बावजूद बहुपक्षीय मंचों पर भारत की भागीदारी लगातार जारी है। भारत ने शुक्रवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान की अध्यक्षता में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सीमा सुरक्षा प्रमुखों की 12वीं बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में बेलारूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिज गणराज्य, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान के अधिकारी और प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में सदस्य देशों के बीच सीमा सुरक्षा, संयुक्त अभियान और आतंकवाद से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के मुताबिक, यह चर्चा एससीओ देशों के सीमा सेवाओं के प्रमुखों की 12वीं बैठक के दौरान हुई, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान ने की। बैठक का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा हालात का जायजा लेना और उभरते खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करना था।

उत्तराखंड के देहरादून एयरपोर्ट पर छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले पहुंचने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का कांग्रेस नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

बिहार के पटना जिले के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले कदम कुआं में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी, बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद और बीजेपी विधायक राणा रणधीर सिंह.

## महाराष्ट्र की सियासत में नए समीकरणों की चर्चा, एनसीपी के विलय के बाद ही एनडीए में एंट्री के संकेत

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित एकीकरण को लेकर चर्चाएं तेज हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, यदि शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा बनना चाहता है, तो पहले एनसीपी के दोनों धड़ों का विलय होना आवश्यक माना जा रहा है। हालांकि, शरद पवार गुट के नेताओं ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों से इनकार किया है।

=भाजपा का संकेत, पहले हो एनसीपी का एकीकरण=

भाजपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी का मानना है कि शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट पहले आपसी मतभेद समाप्त कर एक राजनीतिक दल के रूप में सामने आएं। इसके बाद ही एनडीए में संभावित साझेदारी पर विचार किया जा सकता है। भाजपा फिलहाल किसी एक गुट को अलग से गठबंधन में शामिल करने के पक्ष में नहीं है।

=2023 में हुआ था एनसीपी का विभाजन=

जुलाई 2023 में अजित पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ अलग होकर भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट को मूल एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किया, जबकि शरद पवार का गुट एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नाम से सक्रिय है।

=केंद्र में प्रतिनिधित्व की मांग=महाराष्ट्र सरकार में सहयोगी एनसीपी ने केंद्र सरकार में भी प्रतिनिधित्व की इच्छा जताई है। पार्टी नेताओं का कहना है कि यदि भविष्य में केंद्रीय मंत्रिमंडल का विस्तार होता है तो एनसीपी को भी उसमें स्थान मिलना चाहिए। पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सदस्य पार्थ पवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग उठाई है। हालांकि पार्टी ने स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अधिकार क्षेत्र में होगा।

=परिसीमन विधेयक के बीच बढ़ी राजनीतिक हलचल=

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब केंद्र सरकार संसद के मानसून सत्र में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और नए परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे में एनसीपी (एसपी) के सांसदों का रुख सरकार के लिए अहम हो सकता है।

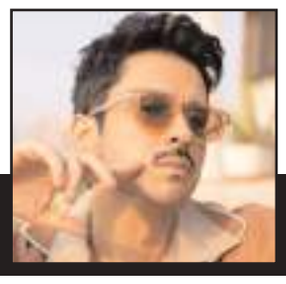

एक्टर अमोल पाराशर इन दिनों सातवें आसमान पर हैं। हाल ही में उनकी सीरीज %ग्राम चिकित्सालय% का दूसरा सीजन रिलीज हुआ है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इस शो में उन्होंने डॉक्टर प्रभात सिन्हा का किरदार निभाया है। अमोल का कहना है कि उन्होंने पिछले 10 सालों में बहुत काम किया है, लेकिन ट्रिपलिंग के बाद यह उनका दूसरा ऐसा प्रोजेक्ट है जो इतना बड़ा हिट साबित हुआ है। उन्हें हमेशा एक जैसे रोल करने से डर लगता है, इसलिए वे अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर बेहद खुश हैं।

## 13 साल का सपना हुआ सच, जब माधुरी दीक्षित से मिलीं वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी बचपन से जिस अभिनेत्री को वह अपना आइकॉन मानती थीं, आखिरकार उनसे मिलने का उनका सपना सच हो गया। दरअसल, वामिका ने बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा माधुरी दीक्षित से मुलाकात की, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ वामिका गब्बी ने बताया कि वह 13 साल की उम्र से माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं और उनसे मिलने का सपना लंबे समय से संजोए हुए थीं। सालों बाद जब यह सपना पूरा हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वीडियो की शुरुआत में वामिका, माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने धक-धक के आइकॉनिक स्टेप को करती नजर आती हैं तभी माधुरी दीक्षित पीछे से आती हैं और प्यार से उन्हें गले लगा लेती हैं। अचानक अपने सामने बचपन की आइकॉन को देखकर वामिका इमोशनल हो जाती हैं और तुरंत उन्हें कसकर गले लगा लेती हैं।

वीडियो में वामिका ब्लू कलर के एथनिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि माधुरी दीक्षित गुलाबी साड़ी में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक दिखीं। वीडियो में माधुरी, वामिका से उनका हालचाल पूछती भी दिखती हैं।

वीडियो शेयर करते हुए वामिका ने लिखा, मेरे सबसे करीबी दोस्त जानते हैं कि 13 साल की उम्र वाली वामिका के

लिए यह पल कितना जादुई था। आखिरकार मेरी मुलाकात द माधुरी दीक्षित से हुई। मैंने उन्हें मम्मी-पापा से भी मिलवाया और बचपन के कई किस्से सुनाए, ताकि उन्हें पता चल सके कि वे मेरे बचपन का कितना खूबसूरत हिस्सा रही हैं।

अगर वामिका गब्बी के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में इम्तियाज अली की सुपरहिट फिल्म जब वी मेट से उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत की। फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन यहीं से उनके अभिनय करियर की नींव रखी गई। इसके बाद वह लव आज कल, मौसम और बिट्टू बॉस जैसी फिल्मों में नजर आईं और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाती चली गईं।

बॉलीवुड के अलावा वामिका ने पंजाबी और मलयालम सिनेमा में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 और मलयालम फिल्म गोधा में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली। हाल ही में वह फिल्म पति पत्नी और वो दो में नजर आई थीं।

## ओटीटी पर रिलीज हुई रक्तांचल 3, पूर्वांचल में फिर शुरू हुआ सत्ता और खूनी खेल

गैंगवार, राजनीति और अपराध की दुनिया पर आधारित वेब सीरीज के शौकीनों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. क्राइम-थ्रिलर सीरीज रक्तांचल का तीसरा सीजन आखिरकार अमेजन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हो गया है. इस नए सीजन में एक बार फिर दर्शकों को पूर्वांचल के ठेकों पर कब्जे की खूनी जंग और सत्ता की बिसात पर खेले जाने वाले घातक खेल देखने को मिलेंगे. सीरीज रक्तांचल सीजन 3 16 जुलाई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रही है. इसके डायरेक्टर रितम श्रीवास्तव हैं. दर्शक बिना किसी सब्सक्रिप्शन के मुफ्त में इस सीरीज को एंजॉय कर सकते हैं. इसकी कहानी सिद्धार्थ मिश्रा ने लिखी है. ये सीरीज पूर्वांचल के माफिया की असल कहानी पर बनी है.

## तमन्ना भाटिया ने रागिनी 3 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, जानकर दिल खुश हो जाएगा

तमन्ना भाटिया अपने फैंस और दर्शकों को डराने की तैयारी शुरू कर चुकी हैं। जी हां, उनकी आगामी फिल्म रागिनी 3 लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचती आ रही है, जिस पर उन्होंने एक बड़ा अपडेट साझा करके लोगों को उत्साहित कर दिया है। अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर बताया है कि उन्होंने लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शशांका घोष द्वारा निर्देशित यह परियोजना बालाजी मोशन पिक्चर्स की हॉरर फ्रैंचाइजी की वापसी का प्रतीक है।

तमन्ना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह क्लैपरबोर्ड पकड़े दिखी हैं।

उस पर रागिनी 3 लिखा है और शूटिंग के पहले दिन के शेड्यूल की जानकारी दी गई है। इससे साफ है कि अभिनेत्री ने 15 जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डेट नाइट हॉरर के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है।

तमन्ना के अलावा, अन्य कलाकारों के नाम गुप्त रखे गए हैं। लंदन में फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल होगा। फिर आने वाले महीनों में अतिरिक्त शूटिंग की योजना बनाई गई है।

कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन

उम्मीद है कि यह अलौकिक हॉरर, सस्पेंस और व्यावसायिक कहानी कहने के उसी मिश्रण को बरकरार रखेगी, जिसने रागिनी फ्रैंचाइजी को एक सफल थिएटर ब्रांड के रूप में स्थापित किया था।

रागिनी 3 के अलावा, तमन्ना को सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन में देखा जाएगा। ये 25 सितंबर को रिलीज होगी।

## अक्षय कुमार ने दिखाई हैवान की पहली खूंखार झलक, सैफ अली खान के साथ मचाएंगे तबाही

बॉलीवुड के 2 बड़े कलाकार अक्षय कुमार और सैफ अली खान के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से चर्चा में रही उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म हैवानका पहला लुक आधिकारिक तौर पर रिलीज कर दिया गया है, जिसका उनके प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार था। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म की पहली झलक देख लोग इसे इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बता रहे हैं। आइए जानें फिल्म में किस अंदाज में नजर आएंगे सैफ और अक्षय। रिलीज हुए पहले लुक में अक्षय और सैफ का बेहद प्रभावशाली अवतार नजर आ रहा है। पोस्टर में दोनों के चेहरे के हाव-भाव और उनका लुक फिल्म की थ्रिलर और एक्शन से भरपूर थीम की ओर इशारा कर रहा है। सालों बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही इस शानदार जोड़ी का ये नया रूप सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। अक्षय ने लुक साझा कर लिखा, एक सब कुछ देखता है, एक से कुछ नहीं बचता, हैवानियत अब नहीं रुकेगी। इस दमदार कैप्शन के सामने आते ही फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है। एक ने लिखा, यह पक्का ब्लॉकबस्टर होगी और बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाएगी। दूसरे ने लिखा, इन्हें देखकर मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी की यादें ताजा हो गईं। फैंस का मानना है कि अक्षय और प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर इतिहास रचेगी। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही है। इससे पहले दोनों ने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, ये दिल्लगी, और टशन जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

## फौजी से प्रभास का फर्स्ट लुक आउट, 3 दिसंबर 2026 को बड़े पर्दे पर अक्षय कुमार और अजय देवगन से टक्कर लेंगे बाहुबली

फौजी इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है. इस फिल्म में साउथ सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह है, जिससे यह आने वाली सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई हैय इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, प्रभास ने अब एक शानदार पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है.

मेकर्स अपकमिंग फिल्म फौजी से प्रभास का फर्स्ट लुक जारी किया है, साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान किया है. जारी पोस्टर में प्रभास खून से लथपथ हालत में एक चट्टान पर बैठे नजर आ रहे हैं; उनके आस-पास बेजान लाशें बिखरी हुई हैं और उन्होंने हाथ में बंदूक थाम रखी है. अ बटालियन हू फाइट्स अलोन ( टैगलाइन वाला यह पोस्टर एक्शन, कुर्बानी और बगावत से भरपूर एक जबरदस्त वॉर ड्रामा की ओर इशारा करता है.

यह पोस्टर फिल्म की जबरदस्त दुनिया की एक झलक दिखाता है. इस दमदार पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, अज्ञातपर्व का अंत. बगावत की शुरुआत. फौजी दुनिया भर में 3 दिसंबर 2026 को बड़े पैमाने पर रिलीज होगी.

प्रभास की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार, विद्या बालन और राशी खन्ना की अनटाइटल्ड फिल्म से टकराएगी. ट्रेड एनालिस्ट के अनुसार, अक्षय की यह फिल्म प्रभास की फिल्म रिलीज के एक दिन बाद सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस फ़िल्म के डायरेक्टर अनीस बज्मी हैं.

इस मुकाबले में अजय देवगन की फिल्म रेंजर भी शामिल है, जिसे जगन शक्ति ने डायरेक्ट किया है. यह फिल्म भी उसी दिन यानी 4 दिसंबर को रिलीज होने की तैयारी में है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर तीन फिल्मों के बीच टक्कर होने की संभावना बन गई है. यह इंडियाना जोन्स जैसी एडवेंचर फिल्म है.

नु राघवपुडी के निर्देशन में बन रही फिल्म फौजी की कहानी आजादी से पहले के भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही है. उम्मीद है कि इस फिल्म में इतिहास, देशभक्ति, रोमांस और एक्शन का मेल देखने को मिलेगा, जिसमें प्रभास एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे.

इस फिल्म में फीमेल लीड रोल में इमानवी भी हैं, जो इस एक्ट्रेस के लिए एक अहम प्रोजेक्ट है. अनुभवी कलाकार मिथुन चक्रवर्ती और जया प्रदा भी इस बड़ी स्टार कास्ट का हिस्सा हैं, जिससे इस महत्वाकांक्षी फिल्म का स्टार पावर और बढ़ जाता है. मैथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से और टी-सीरीज फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, फौजी को इस प्रोडक्शन हाउस का अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बताया जा रहा है. प्रभास, पुष्पा के मेकर्स और सीता रामम के डायरेक्टर हनु राघवपुडी के बीच इस सहयोग ने फिल्म देखने वालों के बीच पहले ही जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है.

## बालों की तेल मालिश करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

बालों की तेल मालिश करना एक पारंपरिक और असरदार तरीका है, जिससे बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहते हैं। हालांकि, कुछ सामान्य गलतियों की वजह से आपको मनचाहे परिणाम नहीं मिल पाते। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको बालों की तेल मालिश करते समय करने से बचना चाहिए ताकि आपके बालों को सही पोषण मिल सके और वे स्वस्थ रहें।

ज्यादा तेल लगाना

बालों पर ज्यादा तेल लगाना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं।

बहुत ज्यादा तेल लगाने से बाल भारी हो जाते हैं और धोने में भी मुश्किल होती है।

सही मात्रा में तेल लगाने के लिए हाथों पर थोड़ा सा तेल लें और हल्के हाथों से पूरे सिर पर फैलाएं। इससे बालों को जरूरी पोषण मिलेगा बिना उन्हें भारी किए।

गलत समय पर तेल लगाना

कुछ लोग रातभर बालों पर तेल लगाकर सो जाते हैं, जो कि सही नहीं है। रातभर तेल लगाने से सिरदर्द हो सकता है और तकिए पर तेल लग सकता है, जिससे

साफ-सफाई में परेशानी होती है।

बेहतर होगा कि आप सुबह या दोपहर के समय बालों पर तेल लगाएं ताकि उसे धोने का समय मिल सके और आपके बाल साफ-सुथरे रहें।

गीले बालों पर तेल लगाना

गीले बालों पर तुरंत तेल लगाना भी एक बड़ी गलती हो सकती है। गीले बालों की जड़ों में पानी होता है, जो कि तेल के पोषक तत्वों को सही तरीके से सोखने नहीं देता।

इससे बाल कमजोर हो सकते हैं और टूटने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए हमेशा सूखे बालों पर ही तेल लगाएं ताकि वे सही तरीके से पोषण प्राप्त कर सकें और मजबूत बने रहें।

बहुत जल्दी धोना

कुछ लोग बालों पर तेल लगाने के तुरंत बाद उन्हें धो लेते हैं, जिससे बालों को पूरा लाभ नहीं मिल पाता। तेल को बालों में ठीक से सोखने का समय देना जरूरी होता है ताकि वह पूरी तरह से अपना असर दिखा सके।

इसलिए तेल लगाने के बाद कम से कम 30 मिनट से 1 घंटे तक इंतजार करें, फिर अपने सिर को माइल्ड शैंपू से धोएं और ठंडे पानी से साफ करें।

गलत प्रकार के तेल का चयन

बालों की प्रकार और जरूरतों के अनुसार सही प्रकार का तेल चुनना बहुत अहम होता है। जैसे कि सूखे बालों के लिए नारियल या बादाम का तेल अच्छा होता है, जबकि तैलीय बालों वाले जैतून या आर्गन ऑयल इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस तरह इन छोटी-छोटी गलतियों से बचकर आप अपने बालों की तेल मालिश का पूरा लाभ उठा सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

## पूल नूडल्स से की जा सकती है कसरत, मिल सकते हैं कई फायदे

पूल नूडल्स एक प्रकार का एक्सरसाइज उपकरण है, जिसका इस्तेमाल पानी में किया जाता है। यह उपकरण न केवल मजेदार है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके शरीर को मजबूत और फिट बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि पूल नूडल्स का उपयोग करके कौन-कौन सी एक्सरसाइज की जा सकती हैं और इनके क्या-क्या फायदे हैं।

दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाने में सहायक पूल नूडल्स का उपयोग करके आप दिल और सांस की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाती हैं। पानी में की जाने वाली यह एक्सरसाइज शरीर के पूरे हिस्से पर असर डालती है और आपको तेजी से फिट बनाती है।

इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके शरीर की सहनशक्ति को भी बढ़ाती है, जिससे आप लंबे समय तक बिना थके एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपका शरीर तंदुरुस्त और सक्रिय रहता है।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान कर सकती है

पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की ताकत बढ़ाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं।

इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी बाजू, पीठ और कंधे मजबूत होते हैं।

इसके अलावा आप नूडल्स को ऊपर-नीचे करके भी अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की ताकत भी बढ़ती है।

शरीर को लचीला बनाने में मददगार

पूल नूडल्स की मदद से आप अपने शरीर को लचीला बना सकते हैं। इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी पीठ, पैर और कंधे की लचीलापन बढ़ती है।इसके अलावा आप नूडल्स को दोनों हाथों से पकड़कर घुमाने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी हाथों की लचीलापन बढ़ती है। इससे आपकी शरीर की सभी प्रमुख मांसपेशियां मजबूत होती हैं और लचीला रहता है।

तनाव को कम करने में है कारगर

पूल नूडल्स की मदद से आप तनाव मुक्त हो सकते हैं। इसके लिए आप पानी में तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर पीछे की ओर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मन शांत होता है।

इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपके मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं।

## शब्द सामर्थ्य -102

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

**ऊपर से नीचे**

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

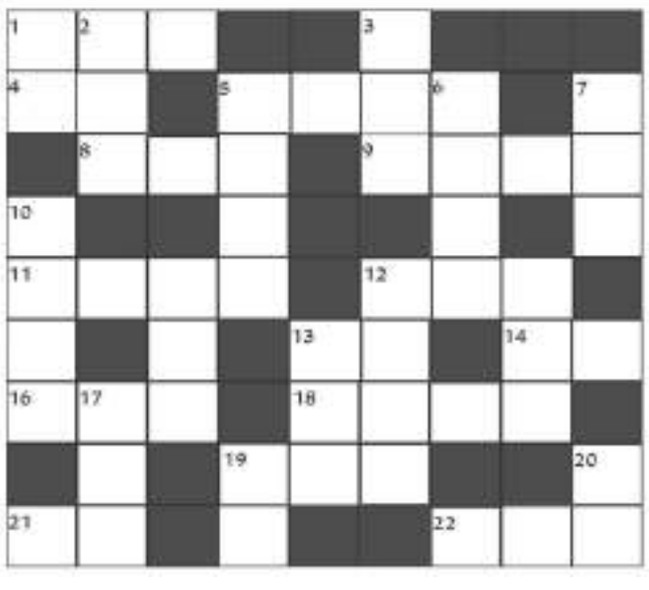

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 101 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पं | क्ति | | स्वा | द | | स | ख | ख |
| जा | | सु | हा | ना | | | ली | द |
| ब | हु | धा | | द | ल | ना | | ल |
| | | क | मा | न | | ग | ह | ना |
| भं | व | र | | | | खा | म | |
| गी | त | | म | ज | बू | र | | ट |
| | न | म | स्का | र | | | | र |
| | | र्या | | | बी | | ना | का |
| सं | वि | दा | | ब | स | च | ल | ना |

जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )। थाना घमापुर में रात कृष्णा चौहटेल उम्र 16 वर्ष निवासी न्यू कछियाना द्वारकानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कक्षा 11 वीं खालसा स्कूल में पढ़ाई करता है शाम लगभग 4 बजे घर के बाहर टहल रहा था तभी चिराग पनघेरा अपने अन्य साथियों के साथ आकर उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगा, रूपये देने से मना करने पर चिराग पनघेरा गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर चिराग ने चाकू से हमलाकर वायें पैर की जांघ में चोट पहुँचा दी

**मियावाकी पद्धति से रोपे जायेगें विभिन्न प्रजातियों के पौधे-नगर वन परिक्षेत्र में स्थानीय स्तर के नीम, पीपल, अमरूद, जामुन, आम, कटहल, गूलर, फलदार पौधों के अलावा लगाये जायेगें औषधीय और छायादार पौधे**

# रॉंझी उमरिया के 20 एकड़ शासकीय भूमि पर विकसित किया जायेगा नगर वन

**नगर वन क्षेत्र में पर्यटकों के लिए वॉकिंग ट्रेक, कैफेटेरिया, नेचरल पैथी सेन्टर, स्पोर्टस जोन, आकर्षक फाउंटेन युक्त तालाब, के अलावा साज-सज्जा देखने को मिलेगा**

निगमायुक्त ने अपर कलेक्टर, अपर आयुक्त,तहसीलदार, अधीक्षण यंत्री और जिला एवं निगम प्रशासन के अधिकारियों के साथ स्थल का सघन निरीक्षण दिये आवश्यक निर्देश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) ।नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में शहर के रांझी उमरिया क्षेत्र में स्थित 20 एकड़ की शासकीय भूमि को अब एक नगर वन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहाँ पर मियावाकी पद्धति से विभिन्न प्रजातियों नीम, पीपल, अमरूद, जामुन, आम, कटहल, गूलर जैसे फलदार पौधों के अलावा औषधीय और छायादार पौधे लगाये जायेगें। यह प्रोजेक्ट न केवल शहर के फेफड़ों को मजबूती देगा, बल्कि भविष्य में एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बनाएगा।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अपर कलेक्टर आर. एस. राय, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान,अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, तहसीलदार श्रीमती मौसमी और अन्य प्रशासनिक टीम के साथ इस प्रस्तावित स्थल का सघन निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

?इस नगर वन की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि इसे जापानी तकनीक मियावाकी पद्धति से विकसित किया जा रहा है। इस तकनीक के माध्यम से बहुत कम समय में पौधे तेजी से बड़े होते हैं और एक घना जंगल तैयार हो जाता है। यहाँ केवल स्थानीय जलवायु के अनुकूल फलदार, औषधीय और छायादार पौधे लगाए जाएंगे। यह घना वन क्षेत्र शहर के प्रदूषण को कम करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि ?यह नगर वन केवल पेड़ों का झुंड नहीं होगा, बल्कि इसे एक टूरिस्ट स्पॉट के रूप में डिजाइन किया जा रहा है। यहाँ आने वाले पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के लिए सुबह और शाम की सैर के लिए प्रकृति के बीचोबीच एक ट्रैक बनाया जाएगा। प्राकृतिक माहौल में बैठकर लोग लजीज व्यंजनों और कॉफी का लुत्फ उठा सकेंगे।

सेहत के प्रति जागरूक लोगों के लिए यहाँ प्राकृतिक चिकित्सा की विशेष व्यवस्था रहेगी, जहाँ वे तनावमुक्त हो सकेंगे। इसके अलावा स्पोर्टस जोन, आकर्षक फाउंटेन युक्त तालाब के अलावा अन्य व्यवस्थाएँ विकसित की जायेगी। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने मौके पर ही अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण और पौधारोपण के कार्य में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रांझी उमरिया का यह नगर वन आने वाले समय में जबलपुर की नागरिकों को शुद्ध हवा देने के साथ-साथ वीकेंड बिताने के लिए एक बेहतरीन डेस्टिनेशन साबित होगा। इस परियोजना से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर में पौधा रोपण कार्य के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी तारतम्य में निगमायुक्त ने आज सघन दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया गया।इस अवसर पर पार्षद श्रीमती रजनी सुरेंद्र साहू, उद्यान अधिकारी मनीष तड़से आदि उपस्थित रहे।

# नगर निगम की मुस्तैदी रंग लाई, महाराजा अग्रसेन वार्ड में इस बार नहीं भरा पानी, क्षेत्रीय नागरिकों के साथ पार्षद कमलेश अग्रवाल ने की सराहना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मानसून में तेज बारिश के बाद जहाँ अक्सर शहरों में जलभराव की समस्या खड़ी हो जाती है, वहीं इस वर्ष महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा कराई गई नाला-नालियों की मुस्तैदी से सफाई का बड़ा सकारात्मक असर देखने को मिला है।

नगर निगम के इस सराहनीय कार्य की न सिर्फ आमजन, बल्कि जनप्रतिनिधियों ने भी खुलकर तारीफ की है। महाराजा अग्रसेन वार्ड के पार्षद कमलेश अग्रवाल ने बारिश के बाद क्षेत्र का जायजा लिया और नगर निगम के कार्यों पर अपना सकारात्मक फीडबैक दिया। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष वार्ड के मुख्य नालों और जल निकासी मार्गों की सफाई बेहद उत्कृष्ट ढंग से की गई थी।

**जल निकासी व्यवस्था रही सुगम**

पार्षद कमलेश अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष तेज बारिश के बावजूद वार्ड के किसी भी प्रमुख नाले या रिहाइशी इलाके में पानी नहीं भरा। बारिश का पानी रुकने के बजाय बहुत तेजी से सुगम तरीके से बह गया, जिससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों को भारी राहत मिली।

समय पर हुआ कार्य- नगर निगम की टीमों ने मानसून से पहले और मानसून के दौरान जो मुस्तैदी दिखाई, उसी का परिणाम है कि आज क्षेत्र के लोग जलभराव की समस्या से मुक्त हैं।

**वार्ड के नागरिकों ने भी जताया आभार**

वार्ड के नागरिकों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में जलभराव के कारण व्यापार और आवागमन ठप हो जाता था, लेकिन इस बार नगर निगम और स्थानीय प्रशासन के तालमेल से स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही। नाला-नालियों की लगातार मॉनिटरिंग और सफाई अभियान के कारण इस वर्ष जल निकासी की व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ नजर आई।

# अमर शहीद मंगल पांडे की जयंती पर हुआ हॉकी मैच का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महाकौशल क्रीड़ा परिषद द्वारा अमर सपूतों की याद में उनकी जन्म जयंती पर विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाता है । इसी श्रंखला में रानीताल खेल परिसर में अमर शहीद मंगल पांडे की स्मृति में हॉकी मैच का आयोजन किया गया इस अवसर पर अमर शहीद मंगल पांडे के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई । इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ प्रशांत मिश्रा, अरुण यादव लड्डू भैया, कुलदीप सिंह बरार, दिनेश सिंह ठाकुर, राजेशकांत सोनकर राज, डॉ राजेन्द्र पिल्लै, धर्मेन्द्र कुशवाहा, संदीप वर्मा, राजू स्वामी, मोहम्मद शकील, अकबर खान, जाकिर अली की उपस्थिति उल्लेखनीय रही । कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन राकेश श्रीवास के द्वारा किया गया

# जबलपुर विज़न 2047 के साथ होगा प्रैक्टिसिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन जबलपुर का रजत जयंती वर्ष समापन समारोह

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। 28 सितंबर 2001 को स्थापित, जबलपुर के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़ी तकनीकी संस्था प्रैक्टिसिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन अपनी स्थापना के 25 वें वर्ष पूर्ण होने पर एक वृहद समारोह सितंबर माह में आयोजित करेगा । देश की आजादी के 100 वीं सालगिरह 2047 में संस्कारधानी जबलपुर का औद्योगिक, व्यवसायिक, सांस्कृतिक, पर्यटन, आवागमन एवं शहर विकास का क्या स्वरूप होगा इस विषय पर जबलपुर विजन 2047 का आयोजन किया जाएगा । संस्था द्वारा आयोजित एनुअल जनरल मीटिंग में यह निर्णय लिया गया । जबलपुर विज़न 2047 सेमिनार के आयोजन अध्यक्ष इंजी अनिल दुबे और सचिव इंजी नीरज ब्यौत्रा होंगे । इस अवसर पर संस्था में प्रवेशित नवीन सदस्यों इंजी विनय नामदेव, ऋषभ नामदेव, नमन जैन, गौरव गुप्ता, श्रीपाल तिवारी, शक्ति दुबे को आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र वितरित किए गए । मीटिंग में महासचिव इंजी आर के श्रीवास्तव, संरक्षक इंजी सुनील जैन, अध्यक्ष मनीष दुबे, सचिव संजय वर्मा, सहित कार्यकारिणी सदस्य दिनेश दवे, संजीव जैन, दिनेश कोष्ठा, प्रदीप जायसवाल सहित 50 से अधिक इंजीनियर सदस्य उपस्थित रहे ।

# विविध रागों में दर्ज है गुरुग्रंथ साहिब की पवित्र गुरुवाणी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) गुरुवाणी की पवित्र स्वर लहरियां गूंज रही थीं सावन आया हे सखी जलहर बरसनहार और श्रद्धालुगण भक्तिरस में आकंठ डूब उतरा रहे थे। अवसर था, गुरुद्वारा श्रीगुरुनानक दरबार गोरखपुर मे आयोजित भव्य कीर्तन दरबार में श्री दरबार साहिब हरमंदिर साहिब, अमृतसर, पंजाब के विख्यात हुजूरी रागी जत्था भाई सिमरप्रीत सिंह ने शास्त्रीत

**कीर्तन दरबार में रसासिक्त हुए श्रद्धालु**

संगीत शैली में विविध रागों से ओतप्रोत मनोहारी गुरुवाणी शबद कीर्तन पेश साध संगत को रसविभोर कर दिया । उन्होंने कहा कि साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की संपूर्ण पद्यमय गुरुवाणी 31 मुख्य राग और 29 उप रागों में दर्ज की गई है, जो गायकों और श्रवण करने वालों के मन में एक विशेष गहरे और आध्यात्मिक भाव उत्पन्न करते हैं। रागीजी को सुनने नगर के साथ ही समीपस्थ शहरों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए। इस मौके पर गुरु का लंगर भी पंगत में वितरित किया गया । प्रधान रजिंदर सिंह छावड़ा, सचिव मनप्रीत सिंह आहूजा मिक्की, हरजीत सिंह सूदन, नंदसिंह जस्सल, सोनू सलूजा एवं आयोजन समिति ने रागीजी को शाल एवं सिरोपा प्रदान कर अभिनंदित किया । मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरजीत सिंह खालसा ने सर्वत्र के भले की अरदास प्रार्थना संपन्न करवाई। पूर्व में हिमाचल प्रदेश से पधारे बडू साहिब के अनहद जत्थे ने भी शबद पेश किए । मुखवाक् और कड़ाह प्रसाद के साथ ही सोल्लास समापन हुआ ।

# जीआरपी द्वारा चलाया जा रहा आपरेशन हमदर्द, आज बना 24 बेसहारा लोगों का डिजिटल डोजर, मिली ये सफलता

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल राजाबाबू सिंह के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुंदर सिंह कनेश के मार्गदर्शन में जबलपुर जीआरपी द्वारा आपरेशन हमदर्द संचालित किया जा रहा है. 1 से 31 जुलाई तक चल रहे इस विशेष अभियान में रविवार 19 जुलाई को 19वें दिन लगभग 24 लोगों का डिजिटल डोजर बनाया गया. इसी क्रम में झारखंड का मंदबुद्धि युवक मिला, जिससे पूछताछ कर उनके परिजनों को सूचित कर उनके सुपुर्द किया गया.

इस अभियान का उद्देश्य रेलवे क्षेत्र में लंबे समय से रह रहे निराश्रित, परित्यक्त व्यक्तियों, भिक्षावृत्ति में संलिप्त लोगों तथा बेवजह घूमने वाले/अनाथ बच्चों की पहचान कर उनका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना एवं आवश्यकतानुसार वैधानिक कार्रवाई एवं पुनर्वास की प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में आज 19 जुलाई 2026 को अभियान के उन्नीसवें दिन जीआरपी इकाई जबलिपुर के थाना/चौकी क्षेत्राधिकार के रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, मुसाफिरखाना एवं आसपास के रेलवे क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान

के दौरान 12 पुरुष, 09 महिला एवं 03 बालक कुल 24 व्यक्तियों से विस्तृत पूछताछ की गई तथा उनका डिजिटल डोजर तैयार किया या। पूछताछ के दौरान संबंधित व्यक्तियों की पहचान, निवास, पारिवारिक स्थिति एवं अन्य आवश्यक जानकारी संकलित की गई। जिन मामलों में आवश्यकता प्रतीत हुई, उनमें आवश्यक कार्यवाही की गई।

**झारखंड के मंदबुद्धि युवक को परिवार से मिलवाया**

इसी क्रम में जीआरपी थाना जबलपुर द्वारा रेलवे स्टेशन जबलपुर परिसर में एक मंदबुद्धि युवक अकेला एवं असहाय अवस्था में भटकता मिला, जिसने अपना नाम अजमेर अंसारी, पिता इम्तियाज अंसारी, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम दुलदुलवा, थाना मरालि, जिला गढ़वा (झारखंड) बताया। निर्देशानुसार युवक को सुरक्षित रूप से थाना जीआरपी जबलपुर लाया गया। उसके साथ सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करते हुए पूछताछ की गई, जिससे उसके परिजनों का मोबाइल नंबर प्राप्त हुआ। तत्पश्चात तत्काल परिजनों से संपर्क स्थापित कर उन्हें जबलपुर थाना आने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही युवक के पिता इम्तियाज अंसारी जबलपुर पहुंचे। अपने बिछड़े बेटे को सकुशल सामने देखकर उनकी आंखें नम हो गईं और उन्होंने जीआरपी जबलपुर का हृदय से आभार व्यक्त किया।

# रेलवे स्टेशन क्षेत्र के ऑटो चालक बने नशामुक्ति संदेश के वाहक

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत आज थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर एवं आसपास संचालित ऑटो चालकों के बीच विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ऑटो चालकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, यात्रियों एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी ऑटो चालकों को नशामुक्त समाज निर्माण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु ऑटो रिक्शाओं पर नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के जागरूकता पोस्टर चस्पा किए गए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुँच सके। पुलिस अधिकारियों ने ऑटो चालकों से अपील की कि वे अपने वाहन में यात्रा करने वाले यात्रियों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें तथा समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने में सहयोग दें।

कार्यक्रम में थाना जीआरपी जबलपुर के प्रधान आरक्षक रामनिवास ओझा, प्रधान आरक्षक शकील, प्रधान आरक्षक वीरान महेबिया, प्रधान आरक्षक कौशल तिवारी, प्रधान आरक्षक सुनील यादव एवं महिला आरक्षक मनीषा उपस्थित रहे। सभी पुलिसकर्मियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए ऑटो चालकों से संवाद कर उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया।

जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )। थाना प्रभारी बेलबाग जितेंद्र पाटकर ने बताया कि चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत् शासकीय छोटी माडल हाई स्कूल तांत्रिक स्कूल बाई के बगीचा बेलबाग से 100 मीटर दायरे के अन्दर प्रतिबंधित क्षेत्र स्कूल गेट के बाजू से दिनेश सोनकर पिता बैजनाथ सोनकर उम्र 55 साल घमापुर चौक खटीक मोहल्ला थाना बेलबाग के व्दारा लोहे के टपरे के अन्दर सिगरेट, बीडी. तम्बाकू गुटका पान मशाला बेचते हुये मिला जिसका मौके पर पान की दुकान से ( 1 ) छोटी गोल्ड फ्लेक 29 पैकेट सिगरेट ( 2 ) लिवर्टी सिगरेट 10 पैकेट ( 3 ) फ्लेक सिगरेट मिन्ट 15 पैकेट ( 4 ) फ्लेक एक्सल सिगरेट 12 पैकेट ( 5 ) वेव सिगरेट 05 पैकेट ( 6 ) ब्रिस्टल सिगरेट 10 पैकेट ( 7 ) गुटखा

# अजमेर से लाकर जबलपुर में बेचा जा रहा था चाइना चाकू, 6 आरोपियों से 49 चाकू जब्त

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**। जबलपुर जिले में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ क्राइम ब्रांच, थाना अधारताल, पनागर और रांझी की संयुक्त टीमों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 49 चाइना चाकू जब्त किए हैं.

कार्रवाई की शुरुआत 19 जुलाई की देर रात करीब 2 बजे हुई, जब क्राइम ब्रांच और अधारताल थाना की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी. एसबीआई बैंक के पास अभिषेक उर्फ छिंगा पटेल (22) निवासी वेलकम कॉलोनी, महाराजपुर, अधारताल को संदिग्ध अवस्था में प्लास्टिक का थैला लिए खड़ा देखा गया. तलाशी लेने पर उसके थैले से 38 चाइना चाकू बरामद हुए.

पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि उसने यूट्यूब के माध्यम से अजमेर के एक व्यक्ति से संपर्क किया था. वह अजमेर रेलवे स्टेशन जाकर 60 चाकू खरीदकर लाया था, जिनमें से कुछ उसने अपने परिचितों को दिए थे. आरोपी 200 रुपए में चाकू खरीदकर लगभग 1000 रुपए में बेचता था. यह भी सामने आया है कि अभिषेक पटेल पहले भी अवैध हथियारों की तस्करी के आरोप में पकड़ा जा चुका है. अधारताल थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान पचमठा रोड से अभिषेक कोल (22) निवासी पुरानी बस्ती महाराजपुर को 6 चाइना चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया. इसी तरह पेट्रोल पंप के पीछे से आकाश उर्फ काला (21) निवासी पुरानी बस्ती महाराजपुर को 2 चाकू के साथ पकड़ा गया.

आरोपियों के परिचितों पर भी कार्रवाई की गई. 18 जुलाई को रांझी थाना अंतर्गत सरस्वती स्कूल के पीछे से साहिल केवट (19) को 1 चाइना चाकू के साथ पकड़ा गया. जूनियर क्लब के सामने वीएफजे में दबिश देकर गगन रैकवार (25) निवासी मस्जिद के पीछे मड़ई, रांझी को भी 1 चाइना चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया.

पनागर थाना क्षेत्र में फूटाताल रोड स्थित सरकारी कॉलेज के पास से मुन्ना उर्फ साहिल बर्मन (18) निवासी मौलाना वार्ड को 1 चाइना चाकू के साथ पकड़ा गया. इन सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है.

# जंगली सूअरों के लिए खेत में बिछाया था करंट, चपेट में आने से युवक की मौत

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**।जिले के बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए खेत के चारों ओर अवैध रूप से बिछाए गए बिजली के करंट ने एक 40 वर्षीय युवक की जान ले ली। घटना शनिवार दोपहर की है, जब खेत के बीच एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार, खेत मालिक प्रदीप पटेल ने जंगली सूअरों को खेत में घुसने से रोकने के लिए चारों ओर नंगे बिजली के तार बिछाकर उनमें करंट प्रवाहित कर रखा था। इसी दौरान पप्पू पटेल अनजाने में खेत के पास से गुजर रहे थे और करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गए। करंट का झटका इतना तेज था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीणों ने खेत में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची बेलखेड़ा थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मर्ग कायम किया और खेत मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खेत में लंबे समय से सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए बिजली के तारों में करंट प्रवाहित किया जा रहा था। हादसे के बाद से आरोपी खेत मालिक फरार बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# सुहागी सेक्स रैकेट मामले में लड़कियां मुहैया कराने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**। आधारताल थाना क्षेत्र के सुहागी स्थित पन्नी मोहल्ला में संचालित कथित सेक्स रैकेट मामले में पुलिस को एक और सफलता मिली है। महिला थाना पुलिस ने इस मामले में नरसिंहपुर जिले के करेली निवासी अमित जायसवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि वह विभिन्न शहरों से युवतियों की व्यवस्था कर उन्हें रैकेट संचालकों तक पहुंचाने का काम करता था। पुलिस जांच के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अमित जायसवाल भोपाल, इंदौर, दमोह, सागर सहित कई अन्य शहरों से युवतियों को लाकर कथित तौर पर इस रैकेट को उपलब्ध कराता था। पुलिस अब उससे पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है।

महिला थाना पुलिस को अमित जायसवाल का नाम कुछ दिन पहले सुहागी के पन्नी मोहल्ला स्थित मकान पर की गई छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में मिला था। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी, जिसके बाद उसे नरसिंहपुर से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पुलिस पहले ही कथित रैकेट संचालक मंजू निखर, उसके पति मुकेश निखर, बेटे आरूष निखर तथा मौके से मिले तीन ग्राहकों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा जिस मकान में कथित सेक्स रैकेट संचालित होने का आरोप है, उसके मालिक एवं लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अभियंता कार्यालय में पदस्थ बाबू निमेष विनोदिया को भी गिरफ्तार किया गया था।

मामले की जांच के दौरान आधारताल थाने के आरक्षक सतीश झारिया की भूमिका भी संदेह के दायरे में आने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। वहीं तत्कालीन थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया

# अभी हौले-हौले 24 से झमाझम बरसेंगे बदरा

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**। जुलाई के दूसरे पखवाड़े में मानसून की वापसी तो हो चुकी है परंतु वैसी बारिश नहीं हो रही जैसी उम्मीद की जा ही थी। बारिश का नया दौर तो शुरू हुआ है परंतु बादल हौले-हौले ही बरस रहे हैं।

पूर्वी मध्य प्रदेश में मानसून जोर नहीं पकड़ पा रहा है

बंगाल की खाड़ी से लेकर उत्तर भारत, हरियाणा, राजस्थान, झारखंड तक बारिश करने वाली मौसम प्रणालियां सक्रिय है लेकिन पूर्वी मध्य प्रदेश में मानसून जोर नहीं पकड़ पा रहा है।

जबलपुर सहित संभाग के अन्य हिस्सों में हल्की बारिश

यही कारण है कि जबलपुर सहित संभाग के अन्य हिस्सों में हल्की बारिश ही हो रही है। शनिवार को दिन भर बादल आते-जाते रहे और रात होते ही रिमझिम बरसने लगे।

तेज हवा के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार रीवा और मऊगंज में तेज हवा के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। आकाशीय बिजली गिरने का भी खतरा है।

बेवजह घर से बाहर नहीं निकलने की अपील

मौसम विभाग ने लोगों से बेवजह घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। वहीं जबकि जबलपुर सहित डिंडौरी, कटनी, सिवनी, मंडला, बालाघाट और मैहर में कई जगह तेज हवा के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है।

कम बारिश खतरे की घंटी से कम नहीं

जुलाई के दूसरे पखवाड़े में मानसून की वापसी तो हो चुकी है परंतु वैसी बारिश नहीं हो रही जैसी उम्मीद की जा ही थी। हाल ये है कि मानसून की बेरुखी से इस बार 427 मिमी बारिश पिछड़ी हुई है। जो किसी खतरे की घंटी से कम नहीं।

मौसम विभाग के आंकड़ों में दर्ज बारिश

मौसम विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो इस मानसून सीजन अब तक महज 198मिमी (7.8 इंच) ही बारिश हुई है। जबकि गत वर्ष आज के दिन तक 625.5 (24.6 इंच) बारिश हो चुकी थी।

अब तक महज 15 फीसद बारिश 427 मिमी (16.8 इंच) बारिश अब भी पिछड़ी हुई है। जबलपुर में औसतन 1300 मिमी यानि करीब 52 इंच बारिश होती है। इस लिहाज से 15 प्रतिशत ही बारिश हो पाई है।

तापमान भी 30 डिग्री के पार

बारिश न होने से तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। शनिवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री की बढ़त के साथ 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। तापमान में बढ़ोतरी से दिन में उमस भरी गर्मी महसूस की गई।

# रात में घर से निकला सागर का शव सिहोरा के तालाब में मिला, परिवार में मचा कोहराम

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**। जिले के सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम गुनहरु (मोहसाम) में युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। शनिवार देर रात पुलिस और ग्रामीणों की मदद से उसका शव तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान सागर कोल (23) पिता फूलचंद्र कोल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सागर शनिवार शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। तलाश के दौरान जानकारी मिली कि उसे गांव के तालाब की ओर जाते देखा गया था। सूचना पर सिहोरा पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ तालाब में तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद रात करीब 9:30 बजे सागर का शव तालाब से बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि शौच के लिए तालाब जाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष का हेलमेट नहीं पहनने पर पुलिस ने चालान काटा

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**। बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाना जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष को महंगा पड़ गया. जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन मां नर्मदा के दर्शन करके लौट रहे थे, तभी मोटर मित्रा पेट्रोल पंप के पास पुलिस ने उन्हें वाहन चेकिंग के दौरान रोक लिया. संदीप जैन अपनी दोपहिया गाड़ी एमपी 20 एसएस 3667 पर बिना हेलमेट के थे.

पुलिस ने सामान्य प्रक्रिया के तहत उनसे हेलमेट न होने पर 1000 रुपये का चालान मांगा. मौके पर मौजूद आम लोगों को लगा कि वे अपना प्रभाव दिखाकर बच जाएंगे, लेकिन संदीप जैन ने कोई भी नेतागिरी नहीं दिखाई. उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की, कोई तर्क नहीं दिया और शांति से जुर्माना राशि जमा कर दी. यह घटना पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गई है. सड़क पर पुलिस चेकिंग के दौरान जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन को जब रोका गया, तो उन्होंने अपनी पहचान बताने के बजाय एक आम नागरिक की तरह व्यवहार किया. पुलिस टीम ने जब उनसे हेलमेट न होने पर सवाल किया, तो उन्होंने अपनी भूल मान ली. बिना किसी विवाद के 1000 रुपये का चालान भरते हुए उन्होंने पुलिस का सहयोग किया. उन्होंने जाते समय यह संदेश भी दिया कि नियम सभी के लिए समान हैं और कानून का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है. इस सादगी और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार की मौके पर मौजूद सभी लोग सराहना कर रहे थे, क्योंकि अक्सर ऐसे मामलों में बहस की खबरें सामने आती हैं.

**मोबाइल कोर्ट टीम ने सख्ती से की कार्रवाई**

जबलपुर में यातायात नियमों के प्रति पुलिस और प्रशासन बेहद सख्त नजर आ रहा है. मोटर मित्रा पेट्रोल पंप के पास विशेष मोबाइल कोर्ट लगाई गई थी, जहां न्यायिक अधिकारियों और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने सघन जांच अभियान चलाया. इस अभियान के तहत बिना हेलमेट, गलत नंबर प्लेट और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की गई.

टीम ने किसी को भी रियायत नहीं दी और मौके पर ही चालान काटे गए. इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य शहर में सड़क हादसों को कम करना और लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है. प्रशासन का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों को तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा.

# एलपीजी किट से दौड़ रहीं थी स्कूली वैन, हुई जब्ती की कार्रवाई

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के निर्देश और जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के आदेश के पालन में परिवहन विभाग ने लिटिल चैंप सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बड़ी कार्रवाई की है। जहां 17 ओमनी वैन एलपीजी किट से संचालित पाई गईं। इन वाहनों का उपयोग स्कूली बच्चों को ढोने के लिए किया जा रहा था, जो नियमों के खिलाफ है। परिवहन विभाग ने तुरंत इन सभी 17 वाहनों को जब्त कर लिया और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय परिसर में खड़ा करवा दिया है। प्रशासन की इस अचानक कार्रवाई से स्कूल प्रबंधन और वाहन मालिकों में हड़कंप मच गया है।

आरटीओ श्रीमती रिंकू शर्मा के अनुसार,विभाग ने इन 17 ओमनी वैन मालिकों के खिलाफ मौके पर ही चालानी कार्रवाई की है। साथ ही, इन सभी वाहनों से एलपीजी किट भी निकलवा दी गई है ताकि दोबारा इनका उपयोग बच्चों के लिए न हो सके। इससे पहले 16 जुलाई को भी विभाग ने इसी तरह स्कूली बच्चों को ले जा रही 2 ओमनी वैन पर कार्रवाई की थी और उनमें से भी एलपीजी किट हटवाई थी। परिवहन विभाग अब पूरी तरह से सतर्क है और बच्चों की जान जोखिम में डालने वाले किसी भी वाहन को नहीं छोड़ा जाएगा। विभाग ने साफ कर दिया है कि सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्रीमती शर्मा ने सभी वाहन मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि वे स्कूली बच्चों का परिवहन करना चाहते हैं, तो उन्हें अपने वाहनों को कमर्शियल श्रेणी में पंजीकृत करवाना होगा। इसके साथ ही वाहनों के पास वैध परमिट, फिटनेस प्रमाण पत्र, वैध बीमा और पीयूसी होना अनिवार्य है।

मालिकों को अभिभावकों के साथ अनुबंध करने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि जिम्मेदारी तय हो सके। सभी 17 वाहन मालिकों ने विभाग को लिखित में स्वघोषणा पत्र सौंपा है, जिसमें उन्होंने भविष्य में नियमों का पालन करने और वाहन को कमर्शियल रूप में ही संचालित करने का वादा किया है। विभाग लगातार ऐसे वाहनों की निगरानी करता रहेगा ताकि भविष्य में कोई हादसा न हो।

# जांच में नकली मिली 60 बोरी डीएपी खाद

**जबलपुर ( नगर प्रतिनिधि )**। जिले में कृषि विभाग ने नकली खाद के खिलाफ सघन अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर उपसंचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे और अनुविभागीय कृषि अधिकारी प्रतिभा गौर की टीम ने शुक्रवार को पनागर में मझौली चौराहा कटनी रोड पर छापेमारी की। टीम ने फैमिली रेस्टोरेंट के पास एक मिनी ट्रक की तलाशी ली, जिसमें से 60 बोरी डीएपी खाद बरामद हुई। खाद की गुणवत्ता संदिग्ध होने और चालक द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर पूरी खेप जब्त कर ली गई है।

मौके से लिए गए खाद के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद इस अवैध कारोबार में शामिल उर्वरक विक्रेता, वाहन मालिक और खरीदार के खिलाफ पनागर थाने में एफआईआर दर्ज की जाएगी।

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096